रिजस्ट्री सं० डी-(डी)-78



प्राधकार स प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43]

नई विल्ली, शनिवार, अक्तूबर 28, 1978 (कार्तिक 6, 1900)

No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 28, 1978 (KARTIKA 6, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय (कार्मिक एवं प्र० स० विभाग) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 अन्तूबर 1978
सं० श्रार०-8/73-प्रशासन-5—निवर्तन की श्रायु प्राप्त
कर लेने पर, श्री श्रार० चक्रवर्ती, जो गृह मंत्रालय के संवर्ग
में स्थायी श्रनुभाग ग्रधिकारी थे श्रीर केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो
में प्रतिनियुक्ति पर कनिष्ठ विश्लेषक के रूप में कार्य-रत
थे, दिनांक 30 सितम्बर, 1978 के श्रपराह्म से सरकारी

सेवा से निवृक्त हो गए।

रिपुदमन सिंह प्रशासनिक ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय अन्वेशण ब्यरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 अक्तूबर 1978

सं० ए०-35018/15/77-प्रशा-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री वनाई दत्ता, पुलि्स उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल पुलिस को दिनांक 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से धगले धादेश तक क लिये केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, कलकत्ता शाखा में ध्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> जरनैल सिंह प्रशासनिक ग्रिधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रणासन श्रकावमी मसूरी, दिनांक 30 सितम्बर 1978ं

सं० 2/46/75-स्थापना—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रिधसूचना दिनांक 22-4-1978 को जारी रखते हुए, निदेशक महोदय श्री कैलाश चन्द्र सक्सेना की नियुक्ति पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-10-1978 से घागामी छः मास या सरकार द्वारा इस पद के बारे में लिया गया निर्णय, जो भी पूर्व हो, तक तदर्थ रूप में करते हैं।

के० रंगराजन उप निदेशक (वरिष्ठ)

(6347)

1-306GI/78

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्तूबर 1978

क्रम ₹	सं० और लेखापरीक्षा भ्रधिकारी (व का नाम	ৰা ৹)	पदोन्नति से पहले जिस कार्यालय में कार्यरत थे	¥ •	स्थानापन्न लेखापरीक्षा प्रधिकारी (क०) के रूप में तैनाती की तिथि
	1		2	3	4
1.	श्री एन० पी० सक्सेना	•	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय ।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिष्य लेखापरीक्षा, भोपाल ।	29-7-78 (भ्रपरा ह ्र)
2.	श्री टी० एस० सुब्रहमन्यन	•		सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन	29-6-78
3.	श्री ई० बी० एन० शर्मा		महालेखाकार-II श्रान्ध्र प्रदेश ।	बही· -	30-6-7६ (पूर्वाह्न)
4.	श्री कें ० वी० सुब्बाराव	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई।	सवस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्वेन निवेशक वाणिज्यिक लखापरीक्ष बम्बई।	20-5-78
5.	श्री माई० ए० एम० माटखे	•	महालेखाकार (वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग) बम्बई ।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पर्दनः निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा देहरादून (एफ० सौर परियोजना) ।	
6.	श्री एच० एस० सतपुते .	٠	(वही) ⁻	महालेखाकार (वै० एवं वा० वि०) बम्बई।	3 1-5-7 8 (पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

सं० प्रणासन-1/254—श्री जे० एन० सूव, स्थाई लेखा प्रधिकारी को, भारत सरकार के गृह मंद्रालय के, कार्मिक एवं प्रणासनिक सुधार विभाग, के कार्यालय ज्ञापन क्रमांक-25013/7/7-एस्टे(ए) दिनांक 26-8-77 में निर्धारित णतों के श्रनुसार दिनांक 29-8-78 पूर्वाह्न से, स्वेच्छिक णासकीय सेवा से निवृत होनं की श्रनुसति प्रदान की जाती है।

ह*०|-* अपटनीय वरिष्ठ उप महालखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनांक 26 सितम्बर 1978 सं० प्रशासन/11-144/IV/157—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों को उनके नामों के आगे श्रंक्ति तिथि से आगामी श्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है:—

1. जगदीश भाटिया .	•	31- 7- 78 पूर्वाह्न
2. महेश चन्द्र श्रीवास्तवा	•	31- 7 -78 पूर्वाह्न
 कुष्नेश्वर डिंगर . 		31-7-78 पूर्वाह्न
4. हरी कृष्ण लाल वर्मा	•	31-8-78 पूर्वाह्न
 भ्रब्दुल सलाम . 		31-8-78 पूर्वाह्न
 सोमेश्वर सिंह चौहान 	•	4-9-78 पूर्वाह्न
7. राधा कृष्ण लाल .		18-9-78 पूर्वाह्न
 गिरिश चन्द्र थर्मा . 		31-8-78 पूर्वा ह्य
 भ्याम सुन्दर मिश्रा 		1-9-78 पूर्वाह्र

10. राम बाबू सक्सेना

31-8-78 पूर्वाह्म

11. सोम नाथ राय

31-8-78 पूर्वा**ह्य**

उ० रामचन्द्र राव

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1978

सं० का० आ० प्रशासन-248 23(क)(2) अधिसूचनाएं— डाक-तार शाखा लेखा परीक्षा कार्यालय दिल्ली के स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, श्री बी० एन० बख्शी 31-7-1978 (श्रपराह्म) से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> एस० कृष्णन वरिष्ठ उप मुख्य लेखा परीक्षक/मुख्यालय

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली 110022, दिनांक 3 अक्तूबर 1978

सं० 18399/प्रशा० II ---भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति के लिए चयन हो जाने पर श्री दलीप कुमार चक्रवर्ती, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन, दिनांक 22 जुलाई, 1978 श्रपराह्म से विभाग की नफरी पर नहीं रहे हैं।

> ग्रार० एल० बख्शी रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स, फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 19 सितम्बर 1978

सैं० 47/78/जी०—नार्धक्य निवृत्ति स्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० ग्रार० शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी सहायक स्टोर होल्डर) दिनांक 30 स्रप्रैल, 1978 (भ्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० कें० मेहता सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1978

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1150/76 प्रशासन (रा०)—सेवा नियृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग "घ" के स्थायी श्रधिकारी श्री एच० श्रार० नागपाल ने 31 ग्रगस्त, 1978 के ग्रपराह्म से इस कार्यालय में नियंत्रक, ग्राथात निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> का० वें० शेषाद्रि मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं० ए० 31013/6/78 प्र०-6--राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रंड 1 के ग्रधिसमय मान में स्थाना-पन्न उपमहानिदेशक (निरीक्षण) श्री ए० मिल्रा को दिनांक 11 नवम्बर 1976 से श्री पी० सी० कपूर के सेवा निवृत्त हो जाने से खाली हुए पद के मद्दे इसी महानिदेशालय में स्थायी रूप से उसी पद पर नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 अक्तूबर 1978

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैद्यानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक ध्रिधिकारी श्री बी० के० राऊत सरकारी सेवा से वाद्धंक्य निवर्तन पर 31 मई, 1978 (ग्रंपराह्न) से निवृत्त हो गए।

शुद्धि पत्र

दिनांक 5 अक्तूबर 1978

सं० 1734(4)/77/19सी—इस कार्यालय की म्रिध-सूचना सं० 1734(4)/77/19सी० दिनांक 27-5-78 के क्रमांक 42 में उल्लिखित श्री के० नरसिम्हा रा**व के नाम** को डा० क० नरसिंहा राव पढ़ा जाए।

> वी० एस० कृष्ण**स्वा**मी महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० ए/19011(19) 70 स्था० ए०—श्री एस० के० वास गुप्ता, स्थायी उप खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने योजना श्रायोग में (मुख्य खनिज) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर विमांक 4 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से क्षेत्रीय खान नियंत्रक का पद भार त्याग दिया है।

एस० बालगोपाल

कार्यालय भ्रष्ट्यक्ष

कृषि भ्रौर सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1978

सं० ए० 19023/75/78 प्र॰III —श्रीमती ग्रार० एस० नेहते, सहायक विपणन ग्रधिकारी को, इस निवेशालय में बम्बई में 12-9-78 (पूर्वाह्म) से पूर्णतया श्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर तीन माह की श्रवधि के लिय या जब तक कोई नियमित श्रवंध किए जात हैं, दोनों में जो भी पहले घटित हो, स्थाना-पन्न रूप में विपणन श्रधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन ग्रिधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्रीमती नेहते ने दिनांक 12-9-78 को पूर्वाह्न में बम्बई में सहायक विपणन ग्रिधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० ए० 19023/76/78-प्र० III—उप वरिष्ठ विषणन प्रधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने पर श्री एस० घोष ने दिनांक 28-9-78 को ग्रपराह्न में फरीदाबाद में विषणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/99/78-प्र० III— संघ लोक सेवा ध्रायोग की संस्तुतियों के ध्रनुसार डा० शलेन्द्र कुमार को इस निदेशालय में नई दिल्ली में दिनांक 16-9-78 (पूर्वाह्म) से ध्रगल ध्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन ध्रिधकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक, प्रशासन **कृते** कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्रशासन 13123 — विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री एन० टी० वरवानी को उसी प्रभाग में 18 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से 21 प्रक्तूबर, 1978 के प्रपराह्म तक की प्रविध के लिए प्रस्थायी रूप से सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री टी० टी० पिणोरी, सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गय हैं।

बी० घी० थाट, प्रणासन श्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक अक्तूबर 1978

सं० ऋ० भ० नि०/2/1(25)/77-प्रणासन-/24982— निदेणक, ऋय एवं भंडार निदेणालय, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जी० एल० हल्बीपुर के भाभा श्रनुसंधान केन्द्र, ट्रांम्बे, में नियुक्त होने पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक तथा प्रभारी सहायक लेखा श्रधिकारी, श्री चक्कुणेरी कांबगरे राजवन को प्रभारी सहायक लेखा श्रधिकारी II पद पर इसी निदेशालय में 29 भगस्त 1978 से श्रग्रीम भादेशों तक नियुक्त करने हैं।

> के० पी० जोसफ, कृते प्रशासन श्रधिकारी

बम्बई 400001, विनांक 5 प्रक्तूबर 1978

सं० क० भ० नि०/23/9/77 संस्थापन/25290—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० पी० ग्रानन्द, सहायक भंडार श्रधिकारी, कोटा क्षेत्रीय क्रय एवं भंडार यूनिट को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण, इस निदेशालय के श्रस्थायी भंडारी, श्री एन० सी० भटनागर को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रधिकारी पद पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 14-2-1978 से 15-7 -1978 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1978

सं० भाषाप/स्थाः / 1/न-17/4436—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य प्रधिकारी, श्री श्रम्नामलाई नटराजन, प्रापूर्ति निदेशक के कार्यालय के प्रवर श्रेणी लिपिक, तथा भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) के स्थानापन्न सहायक लखाकार को उसी परियोजना में 15 श्रप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से 20 मई, 1978 (प्रपराह्न) तक श्री ए० एन० मुत्तुस्वामी, सहायक लखा प्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) जो छुट्टी पर है के स्थान पर तवर्ष श्राधार पर ग्रस्थायी स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 श्रक्तूबर 1978

संदर्भ भाषाप/स्था०/प०-20/4561—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी, श्री धनश्याम छगनभाई पटेल, ध्रस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को उसी परियोजना में 18 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से 31 ध्रगस्त, 1978 (प्रपराह्न) तक के लिए, श्री एंस० जी० ठाकुर, स० का० श्र० जो प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्त किए गय हैं, के स्थान पर सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

संदर्भ भाषाप/स्था०/भा०-15/4562—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-श्रधिकारी, श्री गोविन्दलाल ग्रमृतलाल भावसार, ग्रस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परि-योजना (बड़ोदा) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी: परियोजना में 1 जून 1978 (पूर्वाह्म) से 4 जुलाई, 1978 (ग्रपराह्म) तक के लिए श्री डी० पी० माथुर, सहायक लेखा प्रधिकारी, जो छट्टी पर हैं, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय)

बम्बई 400039, विनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/16/23/73- बम्बई स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु विद्युत प्राधिकरण के प्रध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, इस कार्यालय के स्थायी सहायक कार्मिक प्रधिकारी श्री एस० कृष्णन को 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्म से लेकर 26 जून, 1978 के पूर्वाह्म तक के लिए उसी शहर में रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से प्रशासन श्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री श्रार० वीर राघवन, प्रशासन ग्रिधकारी-III के स्थान पर की जा रही है जिनका तबादला परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में ग्रवर सिवव के पद पर हो गया है।

टी० जे० प्रसनानी प्रशासन प्रधिकारी पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 अक्तूबर 1978

सं० ई०(1)03989—विधमालाध्यों के महानिदेशक के मुख्यकार्यालय, नई दिल्ली भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी,श्री ए० सेन ने 31 ध्रगस्त, 1978 के प्रपराह्न से सरकारी सेवा से ध्रवकाण प्राप्त कर लिया।

सं० ई०(1)04386—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, महास के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ई० के० राजा ने स्वेच्छा से 31 ग्रगस्त, 1978 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से ग्रवकाश प्राप्त कर लिया।

सं० ई०(1) 03436—निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्रं, मद्रास, भारत मौसम विज्ञान विभाग, में सहायक मौसम विज्ञानी श्री एस० पार्थसारथी निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर 31 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा में मुक्त हो गए।

> गुरुमुखराम गुप्ता, मौसम्प विज्ञानी कृति मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनकि 12 जुलाई 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिवेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित यो तक्षनीकी सहायकों को उनक नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित ग्राधार पर सहायक तकनीकी ग्राधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है भौर प्रत्यक के सामने भकित स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्र म सं०	नाम	 मौजूदा तैनाती स्टेशन	तैनाती स्टेशन	कायभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	 3	4	5
1.	श्री ए० एस० पाल	 बैमामिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	16-6-78 (पूर्वाक्ष)
2.	श्री ए० के० बागची	 वैमानिक संचार स्टेशन , इम्फाल	वैमानिक संचार स्टेशन, इम्फॉल ।	15-6-78 (पूर्वाह्न)

विनांक सितम्बर 1978

सं० ए० 12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० पी० भगत को दिनांक 14 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से श्रौर श्रम्य श्रादेश होन तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न संचार श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है श्रौर उन्हें संचार नियंत्रक के कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया है।

> सत्य देव शर्मा, उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1978

सं० ए० 38012/13/78-ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, विल्लीक्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में वरिष्ठ विमान निरीक्षक श्री ए० एन० चक्रवर्ती ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-8-1978 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्थाग दिया है।

सुरजीतलाल खाण्डपुर, सहायक निवेशक प्रशासन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1978

सं 1/460/78—स्था—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा कलकत्ता गांखा के तकनीकी सहायक श्री पी० मुखर्जी को 3 अप्रैल 1978 के पूर्वाहन से श्रीर आगामी आदेशों तक उसी गाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

विनांक 7 श्रक्तूबर 1978

सं० 1/461/78-स्था०--विवेण संचार सेवा के महानिदेशक एतवृद्वारा श्री वी० के० श्रीवास्तवा को 18 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से भौर भागामी भादेशों तक स्विचींग काम्पलक्स, बम्बई में भ्रस्थायी तौर पर सहायक भ्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/462/78-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा श्री प्रेमचंद को 7 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्विचींग काम्पलेक्स, बम्बई में श्रस्थायी तौर पर सहायक श्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/463/78-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा श्री जे० बी० शर्मा को 31 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्विचींग काम्पलेक्स बम्बई में श्रस्थायी तौर पर सहायक श्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं 1/464/78 स्था० — विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दाराश्री सी० वी० तथावडेंकर को 17 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से श्रौर श्रागामी आदेशों तक श्रारवी शाखा में भ्रस्थायी तौर पर सहायक श्रभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/465/78-प्रशा०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतव्यारा श्री के० कोवंडारामन को 29 जुलाई के पूर्वाह्न से भ्रौर श्रागामी श्रादेशों तक डी० टी० एस०, पूना में भ्रस्थायी तौर पर सहायक श्रीभयंता नियुक्त किया जाता है।

सं 1/468/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वाराश्री एस० एन० राय को 31 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक श्रारवी शाखा में श्रस्थायी तौर पर सहायक श्रीभयंता नियुक्त किया जाता है।

> पां० की० गो० नायर, निदेशक (प्रणा०) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादशुरुक और सीमा शुरुक समाहर्तालय

पुणें, दिनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० 2/के० उ० गु०-पुणे/78पुणे-केन्द्रीय उत्पादशुल्क समाहर्तालय के क्षेत्राधिकार में दिनांक 1-1-78 से 30-6-78 तक की श्रवधि में, केन्द्रीय उत्पादशुल्क तथा लवण अधिनियम 1944 की धारा 9 के उल्लंघन के कारण न्यायालय द्वारा सिद्ध दोष व्यक्तियों के नाम पत तथा श्रम्य क्योरे विखलाने वाला विवरण:—

ऋम सं०	व्यक्ति का नाम ग्रौर पता	म्रधिनियम की व्यवस्थाएं म्रथवा उनके प्रधीन बनाए गए, नियम जिन का उल्लंघन हुम्रा ।	न्यायालय द्वारा दिए गए दंडादेश के विवरण	श्रभ्युक्ति
1	श्री मान्ति भाई दादू भाई माह, मालिक सर्वश्री नर्ग्द्र टोबाको क०, 132 सदाणिव पेठ, सातारा, महाराष्ट्र राज्य	केन्द्रीय उत्पादणुल्क और लवण प्रधिनियम 1944 की धारा 9(1) (बी), 9(1)(बी०) प्रीर 9(1)(सी०)। प्रधि-नियम की व्यवस्थामों और तबधीन बनाए गए नियमों का उल्लंघन करते हुए तम्बाकू की निकासी करना और जान-वृक्ष कर गलत हिसाब रखना	सिद्धदोष ठहराया गया श्रीर रुपए 500/-का जुर्माना किया गया, जिसके न देन पर तीन मास की साधारण कैंद की सजा।	प्रथम श्रेणी के जूडी शियल मजिस्ट्रट सातारा, क्रिमि- नल, केस नं० 5822/77 जिस पर तारीख 8-2-78 को फैसला किया गया।

निरीक्षण तथा लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा गुल्क एवं केन्द्रीय उस्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक भक्तूबर 1978

सं० 16/78—श्री लिखन्दर सिंह न, जो पहले फरीदाबाद में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क के पद पर कार्य कर रह थे तथा राजस्य विभाग क दिनांक 29-8-78 के भादेश सं० 139/78 (फा० सं० 22012/120/78-प्रशा०-II) द्वारा निरीक्षण तथा लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 18-9-78 (पूर्वाह्म) से दिल्ली स्थित निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मुख्यालय में निरीक्षण ग्रिधकारी ग्रुप 'क' (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम०वी० एन० राव निरीक्षण निवेशक

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1978

सं० 3-552/78ई० (ई०)—श्री एस० के० रत्हन, किनिष्ठ श्रीभयंता जो कि 31/12/76 (श्रपराह्म) से तद्दर्थ ग्रीर श्रस्थाई तौर पर भंडार श्रिधकारी के पद पर कार्य कर रहे थे की दिनांक 16-9-78 (श्रपराह्म) से नियमित रूप से पवीन्नति देकर श्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, फरीदा-बाद में भंडार श्रिधकारी के पद पर जी० सी० एस० श्रेणी 'बी' (राजपत्नित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में नियंक्ति

ग्रजीत सिंह मुख्य ग्रभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर श्रराधना लकी चिट फण्ड एण्ड फाईनेन्सियर्ज प्राईवट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, विनांक 5 अक्तूबर 1978

सं० जी०/स्टेट/560/7885 — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रथसान पर ग्रराधना लकी चिट फन्ड फाईनेन्सयर्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 भौर पलटा लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटिङ के विषय में

जालंघर, विनांक 5 श्रक्तूबर 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2615— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के श्रवसान पर पलटा लकी स्कीम एण्ड फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ब्राधिनियम 1956 भीर नगरोटा एक्स सर्विसमेंन ट्रांस्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, विनांक 5 प्रवद्वार 1978

सं० जी ० |स्टेट | 560 | 2566 — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि नगरोटा एक्स सर्विसमेंन ट्राम्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> सस्य प्रकाश तायल कम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 भौर एस० एम० सी० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 4 प्रक्तूबर 1978

सं० 23883/560(3)— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के घवसर पर एस० एम० सी० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 भौर रिजेन्ट चिट एण्ड ईनवेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1978

सं० 29753/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के ग्रमुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर रिजेन्ट चिट एण्ड ईनवेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दक्षित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा।

> एस० सी० नाथ कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बैगाल

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर सिमनटेशन कनस्ट्रमणन कम्पनी के विषय में

विनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० 437/560(5)/75—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी आती है कि सिमनदेशन कनस्ट्रक्शन कम्पनी का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ह० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर "कामधेनु मेटल रोलिंग मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

दिनांक 7 श्रक्तूबर 1978

सं० 4167/लिक्वं/445/78—कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 445 एतब्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 7/1969 में उच्च न्यायालय, मद्रास, की फाइल पर दिये गये विनांक 4-11-1976 के धादेश द्वारा कम्पनी कामधेनु मेटल रोलिंग मिल्स प्राईवेट लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी श्रिष्टिनियम 1950 और महास कालोलिक पर्मनप्ट फण्ड लिमिटेड (इन लिभिवडेशन) के थिषय में दिनांक 7 अक्तूबर 1978

सं० 3532/लिक्वि/445/78—कम्पनी श्रिधिनयम 1956 की धारा 445—एतद्दारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 86/76, 93/76, 8/77, 10/77, श्रीर 15/77 में उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिये गये दिनांक 27-10-1977 के श्रादेश द्वारा कम्पनी मद्रास कारीलिक पर्मनेन्ट फण्ड लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और बुढ पैन, प्राईवेट लिमिटेड (इन लिक्बिडेशन) के विषय में

दिनोक 7 अक्तूबर 1978

सं० 5180 लिक्न 445 / 78 कम्पनी प्रधिनियम 1956 की घारा 445 एतद्कारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 68 / 1977 उच्च न्यायालय, मद्रास की फाइल पर दिये गये दिनांक 2-2-1978 के घादेश क्रारा कम्पनी बुढ पैन प्राह्वेट लिमिटेड को समाप्त कर विया गया है।

कभानी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मद्रास मेटल फेब्रीक प्राईवेट लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में विनांक 7 पनत्बर 1978

सं 6044 लिक्बिंग / 445 / 78 कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 445 एसद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 98 / 1977 में उच्च न्यायालय मद्रास, की फाइल पर दिये गये दिनांक 9-2-1978 के ग्रादेश द्वारा कम्पनी मद्रास मेंटल फेब्रीक प्राइवेंट लिमिटेंड को समाप्त कर दिया गया है।

वै० सस्यनारायना कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्राधिनियम 1956 ग्रीर मैसर्स ग्रारमस् ए०ड सारस्वत मरिन इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पंजिम, दिनोक 12 सितम्बर 1978

सं० 253/जी० कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मेसर्स भ्रारमस् एण्ड सारस्वत मिरन ईन्जीनिमर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

द० रा० धरोटे कम्पनियों का रजिस्ट्रार गोवा, दमण ग्रौर दीव

कार्यालय, श्रामकरं श्रमील श्रक्षिकरण बम्बई-20, दिनांक 7 श्रक्तुबर 1978

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए०टी०)/78 माग-II—श्री वाई० बालसुबामनियम, अधीलक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई जिन्हें तदर्थं आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजी-कार के पद पर आयकर अपील अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में छह महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-3-1978 से 31-8-1978 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अमुनित प्रवान की गयी थी देखिये। इस कार्यालय के दिनांक 30 मार्च, 1978 की अधिसूचना क्षमांक एफ० 48 ए०डी० (ए०टी०)/1978, को उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और छह महीने के लिए अर्थात् 1-9-1978 से 28-12-1979 तक या तब तक जबतक कि उक्त पर हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी गीइतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ झाधार पर है और यह श्री बाई० बालसुक्रमनियम की उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रधान नहीं करेंगी और उनके द्वारा सदर्थ झाधार पर प्रदान सेवाएं न तो वरीयता के झिभप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत दिये जाने की पालता ही प्रधान करेगी।

 2. श्री एस० सी० नारायणन्, वरिष्ठ झामुलिपिक, ग्रायकर ग्रमील श्रीधकरण हैदराबाद न्यायपीठ, हैचराबाद, जिन्हें तदर्थ प्राधार पर प्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर प्राय-कर प्रपील प्रधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में छह महीने के लिए प्रधात् दिनांक 1-3-1978 से 31-8-1978 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की प्रमुप्ति प्रदान की गयी थी, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 30 मार्च, 1978 की प्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए०डी० (ए०टी०)/1978, को उसी क्षमता में तदर्थ प्राधार पर सहायक पंजीकार के पद पर प्रायकर, प्रपील ग्रधिकरण कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में ग्रौर छह महीने के लिए प्रधात् दिनांक 1-9-1978 से 28-2-1979 तक या तबतक जबतक कि इकत पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीझतर हो,

स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ छाधार पर है भीर यह श्री एस० वी० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के कोई द्वावा प्रदान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ छाधार पर प्रदान सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

> डी० रंगास्वामी प्रध्यक्ष

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज कानपुर

फानपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश क० ग्राय० ए० सी० ग्रर्जन/73 (38)/78-79— यतः मुझे के० एम० चावडा—

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रिधिक है

और जिसकी सं दुकान नं 82, प्लाट नं 58 पर निर्मित वार्ड नं 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर, में स्थित है और इससे उपलब्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है? रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के स्भीन निष्नलिखित व्यक्तियों, भवीत्:——

- 1. वी नागपुर जनरल मर्चट्स को-ग्रांप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, संट्रल एवन्यू, नागपुर (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री चेतुमल हसनानंद कुकरेजा, जरीपटका, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

पच्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 82, प्लाट नं० 50 वार निर्मित, बार्ड नं० 30, गोधीबाग, नागपुर

> के०एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज नागपुर

तारीख: 20 जुलाई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

मागपूर, तारीख 20 जुलाई 1978

निर्देश क० भ्राय० ए० सी०/म्रर्जन/73 (39)/78-79— यतः मुझे, के०एम० चायडा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 83, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या धन-कर म्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत: भ्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात:--

- 1. दी नागपुर जनरल मर्थट्स को-ऑप मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर, (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित लाजवंतीबाई ग्रिभिमन्यु कुकरेजा, जरीपटका, नागपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान नं० 83, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग नागपुर ।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज नागपुर

तारीख 20 जुलाई 1978 -मोहर : प्ररूप भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर भेधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज नागपुर नागपुर दिनांक, 20 जुलाई 1978

निर्देश ऋं० भ्राय० ए० सी०/भ्राजैन/73 (40)/78-79— यतः मुक्ते, के० एम० चावडा,

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त झिधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के झिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ॰ से झिक है

धौर जिउकी सं व बुकान नं 84, प्लाट नं 58 पर निर्मित वार्ड नं 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर् अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेय्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित न किया हों गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्स ग्रिधिनियम के ग्रेग्नीम कर देने के श्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनयम, या धनकर भिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भनं, उन्त पित्रनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उन्त पित्रनियम' की घारा 269-च की उपघारा (1) **चे नवीन** निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात :—

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेट्स को-ग्राप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव, श्री डी एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेस्पु, नागपुर (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री नारायणवास गुलाबचंद दिवेचा, इतवारी, नागपुर, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर्त
- (ख) इस सूचना के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद के किसी सन्य क्यतित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम कि लिखितं में किए जा संतिष्

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौरं पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं भर्ष होगा जी उस अध्यायः में दिया । गया है।

प्रनुसूची

दुकान नं० 84, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

> के० एम० चावडा, सक्षम प्राधारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज नागपुर ।

तारीख: 20 जुलाई 1978

प्रकामाई० टो० एत० एत०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 च (1) के ध्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश ऋं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (41)/78-79.---यतः मुझे, के० एम० चावडा,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 85 श्रौर 86 प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कक्तां श्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-1-1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से श्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (■) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-मर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उनत अधिनियम की भ्रारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीम. निम्निलिखित स्यिनितयों, अर्थात्:—

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेट्स को-म्रॉप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर तर्फे, सिचव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री विठठलदास पुरुषोत्तमदास दिवेचा, इतवारी, नागपुर, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पच्टीकरण:--इसमें अयुक्त शम्बों और पदों हा, जो उकत अधि-नियम के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस झध्याय में धिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 85 ग्रौर 65, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, यार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

> के० एम० वावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारी**ख** : 20 जुलाई 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश कं॰ ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (42)/78-79— यतः मुझे,के॰ एम० चावड़ा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६ मके पश्चात् 'उस्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 87 ग्रौर 88, प्लाट नं० 58 पर निर्मित तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिद्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्रक है और मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिबक्त कप से काया नहीं निजा एस है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसो भाग की बाबन उक्त भाध-नियम के अक्षोन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (स) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रान्य प्रास्तियों हो, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्द्रिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में; मै, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों प्र, अर्थात्—

- दी नागपुर जनरल मर्चट्स को-श्रांप० मार्केट कम हार्डीसंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे सचिव, श्री डी० एल० मुलदानी, सेंट्रल एवन्यु, नागपुर, (श्रन्तरक)
- 2. श्री वल्लभदास विगांबर दिसावाला, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (ग्रन्तरीती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं :

उन्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वक्दोवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रवं होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान नं० 87 श्रीर 88, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30, गोधीबाग, नागपुर ।

> कें० एम० चायड़ा, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक भ्रायकर श्रायुक्त ्रें(निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस∙----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन-रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० श्राय० ए० सी०-ग्रर्जन-73 (43)/78-79/— यत: मुझे, के एस० चावड़ा: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मृत्य 25,000/-

रं० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 89 भ्रौर 90, प्लाट, नं० 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपलब्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख 31-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (अस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषण से उक्त प्रश्नरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राशिवयों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया या या किया जाता चाहिए था. जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-न के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, भर्यात् :—

- 1. दी नागपुर जनरल मचैंट्स को-श्राप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी लि० गांधीबाग, नागपुर तर्फे सजिब श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मंजुलाबाई जः मौजीभाई शाह, वर्धमान, नगर, नागपुर । (श्रन्तरिती) की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्य ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ख़निध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण 1---इसम प्रयुवत शब्बों भीर पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं॰ 89 घौर 90, प्लाट नं॰ 58 पर निर्मित, वार्ड नं॰ 30, गांधीबाग नागपुर ।

> के एम० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्रकृष धाईं ० टी • एत • एस ०-----

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० भ्राय० ए० सी०/भ्रर्जन/73(44)/78-79---यतः मुझे के० एम० चायछा,

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु॰ से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 91 प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 वी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-स्राप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सिचव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री टेकचन्द चेतनदास, डागा हौस्पीटल के पास, गांधीबाग, नागपुर। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, भी उक्त भिक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उक्त अब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 91, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

> के० एस० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 20 जुलाई, 1978

निर्वेश कं श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (45)/78-79—यत: मुझे के० एम० चावडा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 92, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज।र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बागत उक्त भ्रिप्तियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— 3—306GI/78

- 1. वो नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-श्राप मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपूर, सर्कें, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यू नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रमेरदास चेतनदास छाबरीया, गांधीबाग, नाग-पुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० 92, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30, गोधीबाग, नागपुर ।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्रका भाई० टी० एन∙ एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर नागपूर, दिनांक 20 जलाई 1978

निर्देश ऋं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (46)/78-79— यत: मुझे के० एम० चावडा

आयकर प्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 96, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-1-1978 को

ताराख 27-1-1978 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्तमान प्रतिफल
के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्तास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया नमा है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अंचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर भिक्तियम या धन-कर भिक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने स्विधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन भिम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- दी नागपुर जनरल मर्चेट्स को-ऑप मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, ली॰, गांधीबाग, नागपूर, तर्फे, सचिव, श्री डी॰ एल॰ मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपूर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सिताराम धोंडबाजी नाचनकर, चितार मोली, नागपूर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तित में किए जासकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवियम के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसुची

बुकान नं० 96, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 गाधीबाग, नागपूर ।

के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृ्ग्रजैन रेंज, नागपूर

तारी**ख:** 20 जुलाई, 1978

मोहर्ः

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन-रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश कं भाय ए सी । अर्जन-73 (47) / 78-79-यत: मुझे, के० एम० चायडा आयकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ब्रारा 269-ख के प्रजीत सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 97, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिकल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (भ्रस्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्यित नहीं किया गया है।---

- (क) ग्रन्तरण से मुई किसी भाग की गावत उक्त श्रिष्ठित्यम, के श्रिष्ठीत कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह्न) ऐसी किसी माय या किसी धत या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम या भन-कर मधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः, मब उन्त धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की क्षप्रधारः (1) के प्रधीन निम्ननिवित स्यन्तियों, अवित्।—

- 1. दी नागपुर जनरल मचँद्स को-ऑप० मार्केंट कम हाउसिंह सोसायटी लि०, गांधीबाग, नागपुर, तर्फें, सिधव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कनयालाल हसनदास कुकरेजा, जरीपटका, नागपुर (भ्रन्तरिती)
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तस्तवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मबधि जो भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्मकरिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रक्राय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस प्रक्राय में दिया गया है।

भनुसूची

दुकान नं० 97, प्लाट नं० **58, पर निर्मित**, बार्ड नं० 30, गांब्रीबाग, नागपुर ।

> के० एम० **चायडा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **श्रायुक्त** (निरीक्षण) **श्रर्ज**न-रेंज, नागपूर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप आई० टी० एन०एस०--

आयकर मिष्टिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज, नागपूर

तारीख 20 जुलाई 1978

निर्वेश श्रं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (48)/78-79— यतः मुझे के० एम० चावडा भायकर मिर्धानयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये

से प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 98, प्लाट नं० 58 पर निर्मित
वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपूर में स्थित है
(प्रौर इसमें उपलब्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्री+र्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन

तारीख 31-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः पद, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269ग के ग्रमुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269भ की उपधारा (1)के प्रधीन, निम्मिक्षित न्यन्तियों ग्रामीत् :--

- 1. दी नागपूर जनरल मर्चेंट्स की-आँप मार्केंट कम हाउ-सिंह सोसायटी, ली०, गांधीबाग, नागपूर तर्फे, सचिव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर (ग्रन्तरक)
- श्रीमिति हिराबाई श्रर्जुनदास कुकरेजा, जरीपटका, नागपुर (श्रन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कों।

स्वव्यक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अछ-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान नं० 98, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीयाग, नागपूर।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 20 जुलाई, 1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०——— श्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन-रेंज, नागपूर

नागपुर, तारीख 20 जलाई, 1978

निर्देश ऋं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (49)/78-79-यत: मझे के० एम० चावडा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 99 ग्रीर गोडौन नं० 19, प्लाट नं० 58 पर स्थित है तथा जो वार्डनं० 30, गांधी-बांग, नागपूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध श्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्या-लय नागपूर में रस्जिट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 25-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से प्रधिक है, ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण

(क) प्रक्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्क अधिनियम के भन्नीन कर देने के झक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के धमु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः——

- 1. दी नागपूर जनरल मर्चट्स को-ऑप मार्केट कम हाउ-सिंह सोसायटी ली० गांधीबाग, नागपूर तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी सदल एवेन्यु नागपूर (भ्रन्तरक)
 - 2. श्री धनशाम इसनादंद कुकरेजा, जरीपटका, नागपूर (अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठि, जो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्ढोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम, के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित है वही धर्म होगा जो उस ध्रद्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दुकान नं० 99 ग्रौर गोडौन नं० 19, प्लाट नं० 58 पर स्थित वार्ड नं० 30, ग्रांधीबाग, नागपूर।

> के०एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०————
भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन-रेंज, नागपूर नागपूर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश ऋं० भ्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (50)/78-79—यत: मुझे, के० एम० चावडा, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से भ्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वुकान नं० 100 श्रौर गोडौन नं० 20, प्लाट नं० 58 पर स्थित है तथा जो गांधीबाग, नागपूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नाग-पूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रुप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधितियम के श्रधीन कर देने के श्रन्थरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण म, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:—

- 1. दी नागपुर जनरल मचैंट्स को-म्रॉप० मार्केट कम हाउ-सिंह सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपूर तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रस एवेन्यु नागपूर। (भ्रान्तरंक)
- 2. श्रीमित सरलाबाई जः चेतुमल कुकरेजा, जरीपटका, नागपूर। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त गड़्दों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दुकान नं॰ 100 श्रीर गोडौन नं॰ 20, प्लाट नं॰ 58 पर स्थित, वार्ड नं॰ 30, गांधीबाग, नागपूर ।

> के० एम० चावडा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, नागपूर

तारीख: 20 जुलाई 1978

प्ररूप भाई० दी० एन● एस०------

· आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के घष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन-रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनाँक 20 जलाई 1978

निर्देश कं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (51)/78-79—
यत: मुझे के० एम० भावडा
आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ध्व
के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृष्य 25,000/- ६०
से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 119 ग्रौर गोडौन नं० 30, प्लाट नं० 58 पर स्थित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपायन्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 25-1-1978 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिलत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र इप्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत; उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त भ्रिमियम, या धन-कर अश्विनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रीविनयम, की घारा 269वं की उपधारा (1) के ग्राह्मीन, निम्निमित व्यक्तियों सर्वात् !---

- दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑप० मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर तर्फें, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल, एवेन्यु, नागपुर । (अन्तरक)
- 2. श्री हसनग्रली मुल्ला ग्रहमवग्रली, लोहा श्रोली, नागपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीकंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्क में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्दों का, जो उबस धिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 119 श्रीर गोडौन नं० 30, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

> के० एम० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन-रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जलाई, 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन-रेंज, नागपुर

तारीख 20 जुलाई 1978

निर्देश कं० द्याय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (52)/78-79--यत: मुझे, के० एम० चावडा, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के झधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 101, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1098 का 16) के श्रधीन तारीख 30-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तिधक इप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर हैंगे के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्किशा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ७४९ अधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, त्रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :---

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑप० मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सिंबव, श्री डी० एल० मुलतानी सेंट्रल एवेन्यू नागपुर (अन्सरक)
- 2. श्रीमित रज्बाबी श्रदम्रली, शेख कालोनी, टाकली फिदर रोड, नागपुर। (अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रपुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थे होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 101, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड, नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

> ृके० एम० चावजा सक्षम प्रधिकारी, सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन-रेंज, नागपुर

ता**रीख**: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप आई॰ टी • एन • एस • ----

आयकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन-रेंज, नागपुर

नागपुर, तारीख 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (53)/78-79--यत: मुझे के० एम० चावडा,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- हपय से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 102, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपलब्ध म्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 30-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह श्रितशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सम्पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण के लिए सम्पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण के लिए सम्पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण के लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा १ लिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— दी नागपुर जनरल मचेंन्ट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी ली० गांधीबाग, नागपूर तर्फे, सिचव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपूर (ग्रन्तरक)
 श्रीमति साराबाई ज० सज्जाव हसेन, भंडारा रोड,

2. श्रामात साराबाइ ज० सज्जाव हुसन, भडारा राड, नागपुर (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड़दों घौर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के भड़याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं० 102, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० जावडा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज, नागपुर ।

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ---

भायकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थं (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन-रेंज, नागपूर

नागपुर तारीख 20 जुलाई, 1978

निर्देश ऋ० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (54) /78-79— यत: मुझे, के० एम० चावडा,

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उभत भ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्राधीन सक्षम अधिकारी को, यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- दूर से श्रीधक है और जिसकी संउ दुकान नंउ 105 श्रीर 106, प्लाट नंउ 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिष्ठित्यम' के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या।
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर ग्रधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों श्रिष्ठीतः

- दी नागपूर जनरल मर्चेंट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंह सोसायटी ली० गांधीबाग, नागपूर तर्फें, सचिब, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपूर (श्रन्तरक)
 - श्री मौजीभाई लाखमी णाह, वर्धमान, नगर, नागपूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्वधि, जो भी ध्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्राधि-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रायं होगा, जो उस भ्रष्टणाय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं॰ 105 श्रौर 106 प्लाट नं॰ 58 पर निर्मित वार्ड नं॰ 30, गांधीबाग, नागपूर।

> के० एम० चावडा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन-रेंज, गागपूर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज नागपुर नागपुर, दिमांक 20 जुलाई, 1978

निर्वेश ऋं० भ्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (55)/78-79— यतः मुझे के० एम० चावडा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 115 प्रौर 116 प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (प्रौर इसमें उपलब्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 31-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त प्रश्चिनियम की घारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-श्राप मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी सेंट्रल एवेन्यू नागपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री पुरुषोत्तम प्रयागभाई साहू, बजेरिया, तेलीपुरा, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिन नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकता नं० 115 श्रौर 116 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश ऋं० आय० ए० सी०/ग्नर्जन/73 (56)/78-79—— यत: मुझे, के० एम० चावडा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- द॰ से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 30, 31 श्रीर गोडौन नं० 78 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है श्रीर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 31-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर अभ्तरक (भन्तरकों) घोर भन्तरिती (अभ्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य के उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त प्रधिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/याः
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रतः ग्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्मात्:---

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-श्राप० मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर (श्रन्तरक)
 - श्री प्रेमजी सुरजी कोठारी, भगवाघर, धरमपेठ, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका तम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जरन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी क्योंक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दो श्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं० 30, 31 भ्रीर गोडौन नं० 78, प्लाट नं० 58, पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गोधीबाग, नागपुर ।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई 1978

25,000/- व० से मधिक हैं।

प्रकामाई∙टीं०एन∙ एस∙----

भायकर ग्रम्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के ग्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, विनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश कं० श्राय० ए० सी०/श्रर्जन-73 (57)/78-79—यत: मुझे के० एम० चावडा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 310 श्रीर 104 प्लाट 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधी बाग नागपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपलब्ध प्रनुसूचित भीर पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 25-1-1978

श्रधान ताराज 25-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिन्नियम या धन-कर भिन्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- 1. दी नागपुर जनरल मचेंट्स को-आप मार्केंट कम हाउ-सिंग सोसायटी बी० गांधीबाग, नागपुर तर्फे, सचिव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल, एवेन्यु नागपुर (श्रन्तरक)
- शेख इनायत हुसेन मुल्ला कमारश्रली रेशमग्रोली, इतवारी नागपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्र किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

बन्युची

दुकान नं० 103 श्रौर 104 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

म्हर:

प्ररूप धाई० टी॰ एन॰ एस॰--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन-रेंज नागपुर नागपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश फं॰ ग्राय॰ ए॰ सी॰/ग्रर्जन/73 (58)/78-79—यत: मुझे के॰ एम॰ जावड़ा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 70-71 श्रीर गोर्डन नं० 6 फ्लाट नं० 58 पर निर्मित तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत्ता श्रधिकारी के । कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्य पान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित म बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिस्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 195? (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-य के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात्:—

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को म्राप मार्केट कम हाउ-सिंग सोसायटी, ली०, गांधीबाग, नागपुर, तर्फें, सचित्र, श्री डी० एल० मूलतानी, सेंट्रल एवेन्यू, नागपुर (म्रन्तरक)
- 2. श्री प्रीतमलाल नंदलाल पारेख फार्म लन्ड, रामवास पेठ, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब है किसी प्रान्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरणः -- इसमें संयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क म परिभाषित है, बही मर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 70-71 ग्रीर गोडौन, नं० 6 प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर

> के० एम० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

मुहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन-रेज नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० ग्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (59)/78-79---यतः मुझे के० एम० चावला

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं दुकान नं 110 श्रीर 111, प्लाट नं 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकृत्ता ग्रिधिकारी के कार्यालल नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ध्रत: ध्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को आप मार्केंट कम हाव-सिंह सोसायटी, ली॰ गांधीबाग, नागपुर तर्फे, सचिव, श्री डी॰ एल॰ मुसतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री धनराज लक्ष्मीचन्द मुलतानी, सेंद्रल एवेन्यु, नागपूर (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे. ।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं० 110 श्रीर 111, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर

> के० एम० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज नागपर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज नागपुर नागपुर दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश ऋं० भ्राय० ए० सी० भ्रर्जन/73 (60)/78-79---यतः मुझे के० एम० चावडा भाषकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2 6 9-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 26-29 श्रीर गोडौन सं० 44, प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में में रिजिब्दीकरण भ्रिभिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्रधी**न तारीख 27-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर ग्रन्तरक (भन्तरकों)भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया गया है:---

- (क) सम्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त श्रिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त मिधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के मधीन, निम्मिसिबत व्यक्तियों अर्थात् ।----

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स कोधाप मार्केंट कम् हाउसिंग सोसायटी, ली॰ गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव श्री डी॰ एल॰ मुलतनी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री भ्रहमवम्रली मुल्ला गुलाम भ्रब्बास इतवारी, नागपुर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त मन्यति के प्रर्गन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की खारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयंहोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान नं॰ 26,29 भीर गोडान, नं॰ 44, प्लाट नं० 58 पर निर्मित बार्ड नं॰ 30, गोधीबाग, नागपुर ।

> के० एल० चावडा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन-रेंज नागपुर

नागपुर दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश कं० ग्रय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (67)/78-79— यत: मुझे के० एम० चायड़ा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-

रु० से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० दुकान नं० 107,120 श्रीर गोडान, नं० 33 श्रीर 34 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

27-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिलक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिचित सहेश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी प्राय या किसी घर या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भान: सब उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:—

5 306GI/77

- 1. दी नागपुर जनरल मर्चेंटस को-म्राप मार्केंट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर तर्फें, सचिव, श्री डी० एल० मलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपूर (ग्रन्तरक)
- श्रीमति गफारनबानु ज० अहमदग्रली, रेशम श्रोली, इतवारी, नागपुर। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्यति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान नं० 107,120 श्रीर गोडीन, नं० 33 श्रीर 34 प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30, गांधीबाग,नागपुर

> के० एम० चायड़ा सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज नागपुर

तारीख: 20-6-1978

प्रक्रम आई० टी• एन• एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1978 निर्देश ऋं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/73 (62)/78-79--मुझे के० एम० चायडा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 94,95 श्रौर गोडौन नं० 28, प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधी-बाग, नागपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखा 27-1-1978

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी माय को बावत, उकत श्रिष्ठानियम के श्रश्रीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधाके लिए;शीर/या
- (ख) ऐनो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों वो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

म्राः धव उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुषरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन म्रथात् :—

- दी नागपुर जनरल मर्चेटस को-धाँप मार्केट कम हाउ-सिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपुर तर्फे सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर । (श्रन्तरक)
 - 2. देशराज गांडमल ग्रोवर शंकरनगर, नागपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारीका से 30 दिन की मनिष्ठ, जो भी भनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिसबड किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्रव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रिष्ठि-नियम के भव्याय 20-क में यदा परिकाषित हैं, वहीं भयें होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुक्तान नं 94, 95 और गोडौन नं० 28, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन-रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जुलाई 1978

प्ररूप भाई•ि टी • एन० एस०——

यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन-रेंज, नागपूर

नागपुर, तारीख 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० श्राय० ए० सी०/धर्जन/73 (63)/78-79—यत: मुझे के० एम० चावडा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है। के स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 65 भ्रौर 66, प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपलब्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नागपूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तरीख 27-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घितक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निक्तित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-भियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या मण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, जनतः मित्रिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, जनत मिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. दी नागपूर जनरल मर्चेंटस को-ऑप मार्केंट कम हार्जीसग सोसायटी, ली०, गांधीबाग, नागपूर, तर्फे, सचित्र, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपूर (श्रन्तरक)
2. श्री बुलचन्द गोगुमल, महाल, नागपूर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामील से 30 दिन की शबधि जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गावीं और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुभूषी

दुकान नं० 65, 66, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं०, 30, गांधीबाग, नागपूर।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन-रेंज, नागपूर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन-रेंज, नागपूर

नागपूर, तारीख 20 जुलाई, 1978

निर्देश ऋं० भ्राय० ए० सी०/फ्रर्जन/73 (65)/78-79---यत: मुझे के० एम० चावडा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 36, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:---

- 1. दी नागपूर जनरल मर्चेंटस की-म्राप मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, ली० गांधीबाग, नागपूर, तर्के, सचिव, श्री डी० एज० मुलतानी, सेंट्रल एथेन्यु नागपूर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुहम्मद झकरीया हाजी जमीभाई, देवेन्द्रनाथ रोड़, नागपूर (ग्रन्तरीती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्त्रोक्तरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितयम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

दुकान नं० 36, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गोधीबाग, नागपूर ।

> के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेंज, नागपूर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

मोहर ः

प्ररूप साई० टी० एन० एस०---

भायकर मिस्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मिस्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन-रेज, नागपूर

नागपुर, तारीख 20 जुलाई, 1978

निद्या कं आयं ए० सी०/श्रर्जन/73 (73)/78-79—
यत: मुझे के० एम० चावड़ा
आयंकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त श्रंधिनियम' शहा गया है), की धारा 269-खं के
अधीन सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से ग्रंधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 54 श्रौर 55, प्लाट नं० 58 पर निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपूर में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नागपूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1808 का 16) के ग्रिधीन तारीख 27-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) बम्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्मित, मब, उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के मधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् ।——

- 1. दी नागपूर जनरल मर्चटस, को-ऑप माकट कम हाउसिंग सोसायटी ली०, गांधीबाग, नागपूर तर्फे, सचिव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपूर (श्रन्तरिती)
 - 2. श्री दिपक मुरारजी ठक्कर, गांधीबाग, नागपूर (म्रन्तरक)

को यह तूनना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दि किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 54 घ्रौर 55 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपूर।

> के० एम० चावडा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नागपूर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

मोहरः

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस●-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन-रेंज, नागपूर

नागपुर, तारीख 20 जुलाई, 1978

निर्देश कं० ग्रा० ए० सी०/ग्रर्जन/74/78-79—- यतः मुझे के० एम० चावडा

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- अपए से मिनिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 964, म्लाट नं० 56 पर निर्मित, वार्ड नं० 24 है तथा जो सर्कल नं० 5/10, नागपूर में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 16-1-1978 को

प्रवान ताराज 16-1-1978 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से किया गया है —

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्री गजानन मारोतराव साखरकर सर्घल नं० 9/140, लाडपूरा नागपूर । (ग्रन्तरक)
- श्रीमित कवीताबाई ज० शामलाल, खीवानी, लक्ष्मी श्राईल मील, लक्षडगंज, नागपूर (श्रन्तरीती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पूर्वो</mark>क्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 964, प्लाट नं० 56 पर निर्मित, बार्ड नं० 24, सर्कल नं० 5/10 नागपूर।

के० एम० चावडा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर

मागपुर, दिमांक 5 ग्रगस्त, 1978

निर्देश ऋं० श्राय० ए० सी०/प्रर्जन/75/78-79---यतः मृक्षे के० एम० चावड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० ने प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० खेत जमीन 17.36 एकर, मौजा कचारी सावगी है तथा जो केचारी सावगा, त० काटोल में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकराण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिभत से अक्षिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरित की लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त मिधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रन्य मस्तियों की जिन्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम को धारा 269-ग के प्रन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—— श्रीमति इंदीराबाई दिवाकरराव कुरडे, रा० पोस्ट हिवरखेड, ता० मोर्शी, जि० श्रमरावती (श्रन्तरक)

2. श्रीमति राधीकाबाई कृष्णराव पांडव हनुमान नगर, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के मध्याय 20क में परिभा-पित ह, वही भर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गका है।

अनुसूची

खेत जमीन 17.36 एकर मौजा कचारी सावंगा खेत नं० 81/1, 82/2 श्रीर 84।

के० एम० चावड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

सारीखा: 5-8-1978

द्ररूप आई० टी० एन० एस०———

ग्रायकर अधिनियम: 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन-रेंज, नागपुर नागपुर, दिनाक 19 जून, 1978

निर्देश क्रं० श्राय० ए० सी०/ग्रर्जन/70/78-79—यतः मुझे, के० एम० चावड़ा,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एन० श्राय० टी० प्लाट नं० 13, मकान नं० 779, वार्ड नं० 2 है तथा जो राजेबाक्षा रोड़, नागपुर, में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्रिधीन तारीख 3-1-1978

क प्रधीन तरिख 3-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत ग्रीकि है ग्रौर भन्तरक (प्रन्तरकों)
ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थास्—

- पांडुरंग जागोबाजी कडवे घाट रोड, टिंवर मार्केट, नागपुर (श्रन्तरक)
 - 2. सो० जिवनीबाई देवीदास मिगलानी,
 - 3. श्री कुंदनलाल पुष्करलाल मिगलानी,
- 4. श्री भुषणलाल पुष्करलाल मिगलानी, सभी रहने वाले जुन्नारवेव, जि० छिदवाडा (श्रन्तरिती)

हो पर पुत्रमा तारो हरके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तरहोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एन० ग्राय० टी० प्लाट नं० 13, मका नं० 779 (नया) वार्ड नं० 6-बी०, सर्कल नं०, 2, राजेशाक्षा रोड, नागपुर

> के० एम० चा**वडा,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, नागपूर

तारी**ख**ः 19 जून 1978

प्ररूप माई० टी॰ एन० एसं०-

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्कण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 20-4-1978

निर्देश सं० 665—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के घिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ॰ से घिषक है

श्रीर जिसकी सं० 14/13-1-13 है, जो काकीनाडा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 19-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रिक्षण के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रक्षिक है पौर भन्तरक (धन्तरिकों) घौर धन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के निये तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिविक क्ष्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किथी भाव की बाबत उनत बाधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम या धन-कर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

्रत: श्रव, उक्त मधिनियम की घारा 289-ग के श्रनुसंरेण में, में, उक्त मधिनियम की श्रारा 269-च की उपश्रारा (1) के श्रधीन निश्नलिखित व्यक्तियों, श्रवत्।----6—306GI/78

- 1. (1) श्रीमती वि० लक्ष्मी कान्तम, (2) वि० वेंकटा-रमन (3) वि० कामसास्री मुक्रह्मण्यम सूर्यरावपेटा, काकी-नाडा। (ध्रन्तरक)
- 2. (1) पि० पन्नयया (2) पि० सिताराममूर्ति (3) पि० सुब्रह्माण्यम (4) पि० भास्करा वेंकटा लक्ष्मी नर-सिहाराम (5) पि० तूकराज सत्यनारायण मूर्ति काकी-नाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राकेंप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के शब्याय 20-क में यचा-परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयण्य में दिया गया है।

अमुसूची

काकीनाण रजिस्ट्री श्रधिकारी से साक्षिक श्रंत 30-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 267/78 में श्रनुसूची सम्पत्ति

> एन० के० रागराजन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 20-4-78

मोहरः

प्राक्ष प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ण (1) के घष्टीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 28-7-1978

निर्देश सं० 716—यतः मुझं, एन० के० रागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है,

भौर जिसकी सं० धार० एस०-105/1 है, जो गुनवला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजय-वाडा में भारतीय रजिट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-1-78

का 16) के अधीन 4-1-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरन में, मैं उक्त यधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत :---

- (1) टी॰ सरोजनी देवी, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी० म्रार० जोसफ, पटाराम विजयवाडा (म्रन्तरिसी)

को यह सूचका जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन की झबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झबधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़क्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रमें होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

विजयवाडा रिजिस्ट्री ग्रधिकारी से सांक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज मं० 29/78 में निगमित ग्रनुसूची संम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 28-7-78

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 28 जुलाई 1978

निदंश सं० 717—यतः मुझे एन० के० नागराजन, श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 21/763 है, जो मसुका में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: म्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भन्नी निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात:--

- 1. श्रीमती मेहरुन्नीसाबेगम हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पि० वीर वेंकम्मा चोरमपूडी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मचलीपटनम रजिस्ट्री म्रधिकारी से पाक्षिक मंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 153/78 में निगमित म्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० ग्रर्जन रेंज : कांकीनाडा

तारीख: 28-7-78

मोहरः

प्ररूप भाई० दौ० एन० एस०---

बायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी घारा 269-च(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घामक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा तारीख 29-7-1978

सं० 722--यतः मुझे, एन० के० नागराजन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र० से घधिक है ग्रौर जिसकी सं० 14-11-6 है, जो वैजाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे सह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (ग्रश्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य हे उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

(क) भन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रितियम, या धन-कर मिश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

प्रसः प्रम, उन्त अभिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- 1. श्री वि० प्रभाकरराव टाटा।
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सि॰ उमाबाला, वैजाग।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पूर्</mark>वीक्त सम्पत्ति **के अर्जन के** लिए कार्यवा**हियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही श्रथं होगा जो इस श्रध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 61/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति:।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 29-7-78

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जुलाई 1978

निर्देश सं० 727—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 6-21-108 है, जो गुन्टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुन्टुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 11-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से श्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:--

- 1. श्रीमती पि० कृष्टणावेणि हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जी॰ हनुमन्ता सर्मा (2) जी॰ श्रमराबा गुन्टूर (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री पी॰ सुब्बय्या सर्मा गुन्ट्र (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावज नं० 114/78 में निगमित श्रनुसूची संस्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंज: काकीना**डा**

तारीख: 31-7-1978

(भ्रन्तरक)

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा सारीख श्रयस्त 1978

निर्देश सं० 728—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से श्रिधिक है

म्रौर जिसकी संख्या 16-25-9 है, जो गुन्दूर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनयम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री एस० नारायणराव, बेंगलूर
- (2) श्री के० रामबसिवराव, गुन्ट्र (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पर्वों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक म्रांत 15-1-78 में पूंजीकृत दस्तावेज नं० 46/78 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंज,काकीनाडा

तारीख: 4-8-78

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 209व (1) ने भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 7 अगस्त 1978

निदेश सं० 733—यतः मुझे एन० के० नागराजन, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 37-6-39 है, जो काकीनाडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धित-नियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वति:---

- (1) श्री ग्रार० वीर सरवेस्वर राव (2) ग्रार० लक्ष्मीकान्तम (3) ग्रार० रामाकृष्णन (4) ग्रार० नारायण (5) श्रार० सत्यवती काकीनाडा (ग्रन्तरक)
 - 2 जि० चिनावेंकटास्वामी काकीनाडा

(भ्रन्तरिती)

3. श्री जी० चिस्नावेंकटास्वामी एण्ड को० काकीनाडा (बह ट्यक्ति जिसके श्रधिभोग में में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रम होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

काकीनाडा रिजस्ट्री ग्रिधकारी से पाक्षिक श्रंत 31-1-1978 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 44178 में निगमित श्रनु-सूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० भ्रर्जन रेंज: काकीनाडा

तारीख: 7-8-1978

प्रकृप माई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 16 अगस्त 1978

निर्देश सं० 738—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 11-62-21 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त प्रिष्ठिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अष, उन्त धविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त धविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री डि० बाका गंगाधरा सास्ती विजयवाडा-2, (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला देवी (2) धनपतराज विजयवाडा (भ्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री के० मोहन राव (2) ए० दुर्गाराव (3) विजय दुर्गा कारी ट्रांसपोर्ट विजयवाडा (वह व्यक्ति, (जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यक्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के भव्याय 20-क भें परिभाषित हैं वही भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाद्या रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० प्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 16-8-78

रूप आई०टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनौंक 16 अगस्त 1978

निवेश सं० 741,—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 16-3-43 है, जो विजयवाडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूक्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत बाधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रष्टीन कर बेने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में गुविधा के लिए; [और/या
- र्ऐसी किसी आय या किसी घन या घण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के निए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपभारा (1) के अभ्रीम, निम्नलिखित क्यिक्तियों, भ्रथीत्:—
7—306GI/78

- 1. (1) श्री एम० कृष्णराध (2) एस० विजयलक्ष्मी (3) एस० वेंकटारमण राज (4) ए० पांड्रंग स्वामी विजय-वाजा। (श्रन्तरक)
 - 2. श्री के॰ एन॰ हनुमन्त राव विजयबाडा। (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) मंडल कांग्रेस (2) ग्रार० सुधाकर (3)

 (3) ग्रार० सिवा (4) वि० दिवाकर (5) केरका

 समाजम ।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में

 सम्पत्ति है)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्जीका संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की श्रविध या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही श्रवं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री मधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 139/78 में निगमिन श्रनुसूची संपत्ति।

एन० कें० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडां।

दिनांक: 16-8-1978

प्ररूप भाई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

फाकीनाडा, दिलाँक 17 अगस्त 1978

निवेश सं० 742—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र॰ से अधिक है

मौर जिसकी सं० 11-14-33 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है(भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-1-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की वाबत उक्त प्रधि-नियम के मधीन कर देने के बस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात्:—

- 1. श्री वि० नरसिंहराव हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री जि० जय भास्कराराव गुप्ता (2) जी० बाला संता कुमारी विजयवाडा । (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री पी० कृष्णमूर्ति (2) बि० एकनाथ जोशी विजयवाडा । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके. पूर्वोक्त सस्पति के भर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा जो उस प्रस्थाय में विया गया है।

यनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज में नं० 283/78 में निगमित ग्रमुस्थी संपत्ति।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर फ्रायुक्स (निरीक्षण) एम० वि० भ्रर्जन रेंज, काकीनाज्ञा।

दिनांक : 17-8-1978

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिमांक 17 प्रगस्त 1978

सं० 743—यतः मुझे एन० के० नागराजन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16-3-24 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधित 27-1-78

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह् प्रतिशत से ग्रीयक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किखित में बास्तविक इप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त स्रिप्तियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; धौर/या
- (स) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अग्य ग्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, प्रयोत्।—

- (1) श्री थि० पुल्लेस्बरराव (2) वि० श्रीनिवास, थिजयवाड़ा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बि॰ कुसुम कुमारी, विजयवाड़ा । (भ्रन्तरिती)
- (3) श्री थिं० एस० एन० सास्त्री (2) के० वि० गोपालकृष्णस्या (3) सि० एघ० वीरभद्राराव (4) नस्दी केस्बरराव, विजयवाड़ा। (वह स्यक्ति जिसके ग्रीधभीग से संपक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविष या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत ग्रिक्ति नियम के भ्रष्टमाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रुषं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक ग्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत बस्तावेज नं० 422/78 में निगमित ग्रमुस्त्री संपत्ति।

> एन० कें० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, काकीनाडा

सा**रीखाः** 17-8-78

परूप माई० टी॰ एन० एस०----

मायंकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269व (1) के भिन्नी सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीमाडा, दिनांक 17 भगस्त, 1978

सं० 744—यतः मुझे एन० के० नागराजन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

भौर जिसकी सं० 22-33-1/3 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-78 को

को पूर्विका संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रविफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रविफल के पन्द्रह प्रविशव से मिन है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त , निम्न निखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वाश्वविक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िहसी शाय की धायत, उक्त प्रधि-श्रियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरन या इससे बचने में सुविधा के लिए; और था
- (ख) ऐसी किती बाय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय बायकर ग्रंणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चौद्विए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत् :—

- (1) श्रीमती भ्रमे सुधा रानी, हैयराबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) (1) श्री एन० रहमसेखर (2) एम० सिवनागेन्द्र-प्रसाद, बोड्डापाडु । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री एम० नागेस्वरराव, विजयवाड़ा। (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संगत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पडिंगरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिथिनयम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रम् होगा, जो उस ग्रज्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाङ्ग रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक भ्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 347/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षय ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 17-8-78

मोश्वर:

प्रकप माई• टी० एन० एस०-

म्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 17 अगस्त, 1978

सं० 745 — यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 11-12-42 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 5-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशेत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) श्री पि० रामाकोटेस्वरराव, विजयवाड़ा । (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० महेष कुमार, विजयवाड़ा । (ग्रन्तरिती)
- (3) मैसर्स सैवन स्टार्स लिक्कर्स, विजयवाड़ा । (वह व्यक्ति जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जश्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, को भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

विजयवाड़ा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रन्त 15-1-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 53/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 17-8-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 17 प्रगस्त 1978

सं० 746 — यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11-12-42 है, जो विजयवाङ्गा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजय है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 5-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भीर/स
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रबः उक्त भिनियम को धारा 269-ग के मनू-सरण म में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रबौत्:—

- (1) श्री पि० रामाकोटेस्वरराष, विजयवाङ्ग । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के॰ मोहन वेंकटा कोटेस्वरराव, विजयवाड़ा। (श्रन्तरिती)
- (3) मैंसर्स सैवन स्टार्स लिक्कर्स, विजयवाड़ा। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की झवधि, जो भी झवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिकि नियम के ग्राव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राव्याय में दिया गया है।

यनुसूची

विजयवाड़ा रिजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाँक्षिक श्रन्त 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 53/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखा: 17-8-78

मोहर

प्रकप आई० टी० एन∙ एस∙—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 ग्रगस्त 1978

सं० 747 — यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ० से धिधक है

भीर जिसकी सं० 26/107 है, जो तनुकु में स्थित है (भीर इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तनुकु में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-1-78 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
अतिशत से प्रधिक है पौर प्रन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण में लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के घ्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और;या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धम्य घास्त्यों को, जिन्हें भारतीय घायकर धिंतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंतियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अजीन, निम्बिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जि॰ लक्ष्मी नर्रोसहम तनुकु। (श्रन्तरक)
- (2) श्री वि० वेंकटाराजु तनूकु (ग्रन्तरिती)

को यह सूना। जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्य<mark>ेवाहियां करता</mark> हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घनिष्ठ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी
 भन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, घधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्धों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याम में दिया गया है।

अनुसूची

तनुकु रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाँक्षिक ग्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 90/78 में निगमित ग्रनुसूकी सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-8-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुन्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 ग्रगस्त 1978

सं० 748 — यतः मुझं, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 26/107 है, जो तनुकु में स्थित है (ग्रीर इससे उपावदा ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता भिधकारी के कार्यालय, तनुकु में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-1-78 को

12-1-78 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रश्तिरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों)
भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिप्तियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त घिषिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त घिषिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के घिषान, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:— (1) श्री जि॰ जयराम, तनुकु ।

(भन्तरक)

(2) श्री वि० वेंकटाराजु तनुकु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयें होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तनुक् रिजिस्ट्री भ्रधिकारी से पाँक्षिक भ्रन्त 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 92/78 में निगमत भ्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन सिक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रज, काकीनाडा

तारीख: 18-8-78

प्ररूप धाई० टी • एन० एस०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **भायक**र भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 ग्रगस्त 1978

सं० 749—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स॰
से अधिक है

गौर जिसकी सं० 26/107 हैं, जो तनुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तनुकु में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 17-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है घौर घन्तरक (घन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त खन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रश्नित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नोलिकत व्यक्तियों, धर्षात्:—
8—306 GI/78

(1) श्री जि० चन्द्रशेखरराव, तमुकु ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती वि० सयवति तनुकु

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :→→

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

तनुकु रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाँक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 91/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-8-78

प्रस्य भाई०टो∙एन०एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 268-म (1) के घधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 श्रगस्त 1978

सं० 750--यतः मुझे एन० के० नागराजन **नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हु० से **मधि**क है श्रौर जिसकी सं० 130/1 है, जो चन्द्रपरू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **म्र**धीन 16-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर धन्तरक भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धग्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रिष्ठित्तयम, के प्रधीन कर देने के म्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रीभिनियम की धारा 269-ग के हरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-घ की , बारा (1) के ग्रीधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत:--- (1) श्री के० वेंकटा गनेस्वरा सूर्यनारायण मूर्ति पालकोल।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कें० वीरवेंकटा सरस्वति, पालकोल। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जुन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रिजिस्ह्वी अधिकारी से पाँक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 45/78 में निगमित धनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज, काकीनाडा

तारीख ! 18-8-78 मोहर ।

प्रक्प धाई• टी• एन• एस•---

मानकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269व (1) के ग्रधीनः श्रृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 श्रगस्त 1978

सं० 751:—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले हसमें इसके
पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/=
६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 139/1 से 5 श्रौर 140/1 श्रौर 2 है, जो चन्द्रपरू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्व श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पालकोल में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-1-78

को पूर्वोक्त संवत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से
अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से बक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं
किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, भवौत् :--- (1) श्रीमती के० वेंकटालक्ष्मी पालकोल,।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० बीरराघवलु, पालकोल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इ.स सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीखा से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रिश्वितयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पालकोल रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीक्कृत वस्तावेज नं० 44/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज: काकीनाडा।

तारीख: 18-8-78

प्रकप बाई• टी• एत• एस•-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के घश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 19 भ्रगस्त 1978

सं० 752:- यतः मुझे, एन० के० नागराजन द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 2.69-ख के ग्रधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० 32-9-1 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 30-1-1978 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रग्तरकों)भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, इकत अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धनकर घिष्टि-त्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की बारा 269-व की उपशारा (1) के श्रधीन निस्मिशिषत व्यक्तियों अर्थात् (1) श्री के० प्रनील मुमार, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० पापथ्या, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रस्थ क्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे ।

ह्वच्छीकरण:---इसमें प्रभुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रध्याय 20-क में यदा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

विजयबाड़ा रिजस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 385/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 19-8-78

प्ररूप भाई • टी • एन • एस ---

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 भ (1) के भंधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 भ्रगस्त 1978

सं० 753:— यतः मुझे, एन० के० नागराजन आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्षण से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32-9-1 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घ्रम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ध्य के प्रतुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री के० धनील कुमार, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) के० चित्रा, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस सूधना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश्च किसी ग्रन्थ व्यक्ति शारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

विजयवाड़ा रिजस्ट्री म्रधिकारी से पाक्षिक भ्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 86/78 में निगमित भ्रनुसूची संपत्ति ।

एन० कें नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, काकीनाडा।

तारीख । 19-8-78 मोहर । प्ररूप आई० टी० एन० एस •---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 19 भ्रगस्त 1978

सं० 754:--यतः मुझे, एन० ने ० नागराजन म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उका श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-रुपये से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 32-9-1 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबिद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 30-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम के ग्राप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए । ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-घ की उपधाराः (1) के श्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री के० श्रनील कुमार, विजयवाड़ा ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जि॰ सांबसिबराव, मद्रास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उकत प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी में पांक्षिक अन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 387/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, काकीनाडा ।

तारीख: 19-8-78

प्र**रूप माई०टी० एन० ए**स०----

ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीमाडा

काकीनाडा दिनाक, 19 श्रगस्त 1978

सं० 755:—यतः मझे, एन० के० नागराजन
भायकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ठ० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/336, जो जगगम्यापेटा में स्थित है

और जिसकी सं० 1/336, जो जग्गम्यापेटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जग्गम्यापेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जनवरी, 78

भ्रधान 19 जनवरा, 78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह बिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत मधिक है भौर मन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर मन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माम या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रवं, उक्त भिधितियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त भिधितियम की घारा 269-ग की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रव्यति:——

- (1) श्री जि० वेंकटेस्वलू जग्गम्यापेटा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सि० एच० दिवाकर जग्गस्यापेटा। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री कें० नरसिंहम जग्गय्यापेटा (वह व्यक्ति जिस श्रधिभेग से संप**त्ति** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य क्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जग्गम्यापेटा रिजिस्ट्री श्रधिकारी में पांक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 57/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) एम० वि० श्रर्जन रेंजः काकीनाडा

तारीख 19-8-78 मोहर: प्ररूप माई० टी० एम० एस●-----

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के घष्टीन सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्ण)

ग्रर्जन रैंज, काकीनाडा तारीख 19 ग्रगस्त, 1978

मे एन० के० नागराजन सं० 756 :---यतः भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से मधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/336 है, जो जग्गाय्यापेटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबिश श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जग्गाय्यापेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रहिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त झन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्च-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269म के श्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्यात्ः—

- (1) श्री जि० वेंकटेस्वर्लू जग्गय्यापेटा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सि॰ एस॰ नागमल्लीकार्जुन राव जग्गय्यापेटा (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री कें ० नरसिहम जग्गय्यापेटा। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभेग से संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रक्र्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रधं होगा, जो उस प्रक्रभाय में विया गया है।

धनु सूची

जग्गय्यापेटा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक प्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 53/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 19-8-1978 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाडा

नारीख 19 भ्रगस्त, 1978

सं० 757 :-- यतः मझे एन० के० नागराजन श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क्पए से अधिक है **भौ**र जिसकी सं \circ 1/336 है, जो जग्गय्यापेटा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जग्गाय्यापेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **ग्रधी**न 19 जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त प्रक्रिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दागिस्त्र में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मत: मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के धर्मीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्पात:—
9-306G1/78

- (1) जि॰ वेंकटस्वर्लु अग्गय्यापेटा। (ग्रन्तरफ)
- (2) मि० एच० रामागोबिन्दम जग्गय्यापेटा। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री कें नर्रासहम जग्गय्यापेटा। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभेग से सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इपच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भायक धिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

जग्गय्यापेटा रिजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रन्त 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 54/78 में निगमति धनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-8-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा तारीख 19 ग्रगस्त, 1978

सं० 758 : --- यतः मझे एन० के० नागराजन
ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है।

भौर जिसकी सं० 1/336 है, जो जग्गय्यापेटा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जग्गय्यापेटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19 जनवरी, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या भ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भत: प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत:--- (1) श्री जि० वेंकटेस्वर्लु जग्गय्यापेटा।

(ग्रन्सरक)

- (2) श्रीमती सि० एच० कनकाप्रमीलादेवी जग्गय्यापेटा (ग्रन्सरिती)
- (3) श्री कें नरसिंहम जग्गय्यापेटा । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभेग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तरीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरणं - इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अतसची

जग्गय्यापेटा रिजिस्ट्वी ग्रधिकारी में पांक्षिक ऋन्त 31-178 में पंजीकृत दस्तावेज नं. 55/78 में निगमित

> एन० के० नागराजम सक्षम स्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 19-8-78

प्रकृप माई० टी॰ एन० एस०-

आयकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रामुकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 19 अगस्त 1978

सं० 759— पतः मुझे एनं० के० नागराजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 23-11-10 बी है, जो विजयवाडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-1-78

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिक नियम, के घंधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपजारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:—

- 1. श्रीमती जि॰ जबसूया, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सि० एम० नागेस्वरराव विजयवाडा (अन्तरिसी)
- 3. (1) नरकी कृष्णन श्रन्ड को (2) वि० बि० एस प्रकास-राव (3) पि० सूर्य-नारायण (4) भगवान विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :-

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उना शिक्षितियम के शक्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

धनुषूची

विजयवाडा रजिस्ट्री म्रधिकारी से पाँक्षिक म्रंत 31-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 353/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

विनाँक 19-8-78 मोहरः प्ररूप माई० टी० एम० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 ध्रगस्त 1978

सं० 763—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/इपए से श्रिधक हैं

भौर जिसकी सं० रैस मिल है, जो मंगलागिरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मंगलागिरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रब, उन्त श्रधिनियम की धारा 299-ग के भनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम, की धारा 299 घ की उपधारा (1) के भधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:--

- (1) श्री वि० नरिसिष्ठ राजेन्द्र कुमार, (2) वि० रत्नमाला लालापेटा (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री वि० संबसिवराव (2) सि० एमं० सुब्बारावे (3) जे० वि० प्रसादाराव (4) वि० रमेश बाबू ्रं (5) एच० मधुसूधनराव (6) एस० वेंकटसुब्बय्या (7) वि० नागेन्व्रन (8) सि० एच० सुभद्र (9) एस० वेंकटानारायण (10) डि० धर्माराव (11) एम० माधवराव मंगलागिरी (श्रन्तरिती)
- अी (1) ए० पिल्लु (2) पे रूमाल्लु (3) रंगाराव मंगलागिरी (वह व्यक्ति जिसके प्रिधभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मंगुलागिरी रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 101/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीना

तारीख: 22-8-78

मोहर ः

प्रकप धाई• टी• एन• एस•---

ध्रायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269 व (1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर गायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 22 ग्रगस्त 1978

सं० 764---यतः मुझे एन० के० नागराजन गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 101/1 & 2, 102/3, 121/2, 122/2 भौर 3 है, जो सैदापूडि में स्थित है, (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन 4-1-78 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह व्रतिशत ग्रधिक है, भौर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रांध-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रक्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियस या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 **का 2**7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के सिए;

अतः प्रव उन्त प्राधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के नवीम निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एल० जगदीस्वरराव बिजयवाडा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती टि० सुसीला बोन्खपाड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की प्रविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रयंधि, जो मी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थहोगा जो उस मन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-1-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 13/78 में निगमित प्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम द्राधिकारी (सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, काकीनाका

तारीख: 22-8-1978

प्रक्ष भाई० टी • एम • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 22 ग्रगस्त 1978

सं० 765—यतः मुझे एन० के० नागराजन बायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छिचत बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० 50/1 श्रीर 4, 51/6, 103/2 श्रीर 122/1 105/1 है, जो सैवापूडि में स्थित है (भीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुडिवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त प्राजार मूहम, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिकक कप से किंबत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत भ्राधानियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के (सए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, किपानें में सुविधा के लिए;

अत: भव, उक्त प्रवितियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269व की उपघारा (1) के प्रचीत, जिस्तिजिक्ति व्यक्तियों, अर्जात:— 1. श्रीमगी एल० सीताम काय्या सैदापूडि

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती टि० स्थामला दोन्डपाडु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिछ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की धनिछ, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य क्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सम्बेंगे।

स्पादीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडियाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 12/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 22-8-1978 मोहरः

प्रकप भाई । टी । एन । एस ।

अायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 घगस्त 1978

सं० 766 - यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं ० 102/1 है, जो सैदापूडि में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भ्रश्तरक (म्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविचा के शिए; प्रौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री एल० वेकटाकृष्णस्या सैदापुडी
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती टि॰ लक्ष्मी बाई दोन्डपाडा
- (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

गुडिकाडा रजिस्ट्री श्रिषिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 19/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 22-8-1978

मोहरः

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जनरेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 ग्रगस्त 1978

सं० 767-यतः मुझे एन० के० नागराजन अ(यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत भ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 102/1 है, जो सैदापूडि में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 5-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रसिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिविनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात् :—

- श्री एल० जगदीस्वरनराव विजयवाद्या (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती टि० लक्ष्मीबाई दोम्डपाडु । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रञ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 20/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, काकीन।डा

तारीख: 22-8-78

मोहरः

प्रकप आई • टी • एन • एस •-

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के क्षियोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 ग्रगस्त 1978

सं० 786 -- यतः मझे एन० के० नागराजन
आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-द० से श्रीक है

श्रौर जिसकी सं० 26-25-61 है, जो वैजाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, वैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 11-1-78 को

1908 (1908 का 16) के अधान 11-1-78 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए धन्तरित की गई है, धौर मृत्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पंह्रह प्रतिशत से
प्रिष्ठिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों)
के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित
उद्देश्यों से उक्त धन्तरण निजित में वास्तविक कप से कियत नहीं
किया गया है!—

- (क) जन्तरण से हुई किसी धाय की वावत, उक्त खिलियम, के खडीन कर देने के अन्तरक के वावित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ग्रा
- (ख) ऐसी ितसी बाय या किसी बत या ब्रस्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रितियम, या धन-कर सिश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध भन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में मुविधा के सिए।

बतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-च की अपधारा (1) के प्रधीन निम्नितिकित अमिन्यों प्रचीत्:—— 10—306GI-78 1. श्री एन० सत्तीराजु, वैजाग

— (ग्रन्तरक)

2. श्री बि० एस० एन्टरप्रैसेस वैजाग

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीला से 45 बिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यवहीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पद्यों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भश्याय 20-क में परिमाषित है बही प्रयं होगा जो उस भश्याय में दिया गया है।

ग्र**ास्**ची

वैजाग रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-1-78 म पंजीकृत दस्तावेज नं० 162/78 में निगमित ग्रनुसूची सम्पत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायकर द्यायक द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 31-8-78

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2/69-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनांडा

काकीनाडा, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 787-यत: मुझे, एन० के० नागराजन भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से मधिक है श्रौर जिसकी सं० 28-4-39 है, जो एलूरू में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता <mark>म्रधिकारी के कार्यालय, एल</mark>ूरू में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 12-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर बेंने के भक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (व) ऐसी किती ग्राप पा किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त घिषिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्।— 1. श्रीमती कें ० कनकादुर्गामबा एलुक

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० विजयलक्ष्मी एलुरू

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण :--- इसमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एलूरू रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-78 में पंजी-इत वस्तावेज नं० 12/78 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ती।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,काकीनाडा

तारीख: 14-9-78

मोहरः

ं प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
म्रर्जन रेंज सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 सितम्बर, 1978

निदेश सं० बी० जी० म्रार०/36/77-78—म्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मून्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24, डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया एस्टेट नं० II फरीदाबाद है तथा जो फरीदाबाद मथुरा रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रक्षिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के ममुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:---

- 1. श्री श्रीपत राम पुत्र श्री धनपत राम ग्रार-7 हौज खास नई विल्ली (ग्रन्तरक)
- मै० फोरजवेल (प्राईवेट) लिमिटेड, 4747, सूरज भवन 23, दिरया गंज, नई दिल्ली (भ्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रवान के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 24, इन्डस्ट्रियल एरिया एस्टेंट नं० II, मथुरा रोड, फरीदाबाद ।

(सम्पत्ति जैसं कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक नं० 5357 तिथि 27-2-1978 पर दर्जे है।)

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 27-9-78

मोहरः

प्रकप धाई ० टी ० एन ० एस ०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

नार्यालय, सहायक ग्रायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्णन रेंज, सोनीयत रोड रोहतक रोहतक, विनाक 26 सितम्बर 1978 निदेश सं० बीजीमार/डीएलमाई/9/77-78—म्प्रतः मुक्के रवीन्त्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'जन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व के से प्रधिक है

यौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19-ए इन्डस्ट्रीयल एस्टंट नं० 1 है तथा जो दिल्ली-मथुरा रोड़, फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से पश्चिक है पीर घन्तरक (धन्तरकों) घौर (धन्तरिती) (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उन्न घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं निया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उसत प्रधितियम के प्रधीत कर देते के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भन्य भारितथों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिश्रितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्रितयम, या धन-कर भिश्रितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

बतः प्रव, उपत प्रवितियम, की बारा 269-ग के प्रमुत्तरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-च की अपवारः (1) के अधीन निस्नमिखित व्यक्तियों, धर्मात्:— मैसर्ज डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि० 21-2/2 नरिन्बा प्लेस पारलीयामेंट स्ट्रीट, नई विल्ली-110001

(ग्रन्तरक)

 श्री विषणु उर्फं मानिक हीरा नन्द किरपलानी 148-भ्रप्पीन एविन्यू, मोनद्रील 304, कनेडा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी ग्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यांबर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, ओ उक्त अधि-नियम, के शब्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा ओ उस शब्याय में दिया गया है।

मनुषूची

पलाट नं० 19-ए जिसका क्षेत्रफल 1664.3 वर्ग गज है भौर जो इन्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, विल्ली-मधुरा रोड फरीदाबाव में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 36 में दी गई है और जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी दिल्ली के कार्यालय में जनवरी 1978 को लिखी गई"।

> रधीस्त्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 26-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

ग्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 सितम्बर 1978

निदेश सं० बीजीधार/डीएलग्राई/10/77-78—श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं इन्डस्ट्रियल प्लाट नं 106 डी एएल एफ एस्टेट नं 1 है तथा जो 13/7, मधुरा रोड, फरीवाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के युग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त भिक्षितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों श्रर्थात्:— ले० क० भ्रमरजीत सिंह कलकत पुत्र श्री बलवस्त सिंह कलकत ई-229, ईस्ट कैलाश नई दिल्ली-24'

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स श्रौरीएंटल श्रोवरसीज प्रा० लि० 71 ऐरोज श्रपारटमेंटस, 56 नेहरू प्लेस नई दिल्ली-24

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सप्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल पलाट नं० 106 जिसका क्षेत्रफल 1718.5 वर्ग गज है ग्रौर जो डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एस्टेट नं० 1, 13/7 मथुरा रोड, फरीवाबाद में स्थित है।

"सम्पिल जैसे कि रिजस्ट्रेशन नं० 40 में दी गई है भीर जो रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिष्ठकारी दिल्ली के कार्यालय में 13-1-1978 को लिखी गई"।

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 26-9-1978

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०---

ग्नायकर ग्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निवेश सं० 37-जी (म्रर्जन)—यतः मुझे, ग्रमर सिंह विसेन, यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से भ्रधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या है तथा जो मो० बामवग्रटान बरेजी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अग्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रान्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के **प्रनु**-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज^क्की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रयात्:——

- 1. श्री सोहनलाल पुत्र श्री पूरन लाल व अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री गिरीश प्रसाद ग्रार्थ पुत्र श्री गोविन्द प्रसाद श्रार्य व ग्रन्य (ग्रन्तरिती)
 - 3 श्री स्रोम प्रकाश स्नादि (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)।
 - 4. श्री श्रोम प्रकाण श्रादि (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्य<mark>याहियां</mark> करता हूं।

उपत संपत्ति के ग्रार्यन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रावधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान पुछता दो मंजिला मय दूकान व चब्तरा जिसमें ग्राराजी 451 वर्गमीटर बाकें मोहल्ला बाग बग्रटान डा० सिटी बरेली ग्रीर सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी संख्या 261/1, 1978 दिनांक 13-7-78 में बिणत है तथा जो सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 13-7-78 को दर्ज है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक । 23-9-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर मिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० श्रा० ग्रर्जन/450---श्रतः मुझे एम० पी० विशिष्ठ

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 97 है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती धन कंबर पितन श्री प्रलावजी पटेल, निवासी ग्राम कौलना तहसील पीलदा जिला कोटा (श्रन्तरक)

2. श्री देवेन्दर कुमार नाबालिग पुत्र श्री प्रेमचन्द द्वारा वैधानिकसंरक्षक श्रमति रसीला देवी, शोंपिंग सेंटर कोटा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्भात के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 97 शोपिंग सेन्टर कोटा का दक्षिण पश्चिमी हिस्सा जो उप पंजियक कोटा द्वारा कमः सं० 66 दिनांक 13-1-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठः सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25-9-78

प्रकृप धाई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खार। 269-च (1) के सम्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 25 सितम्बर 1978

निदेश सं० राज॰सह०/ মা০ শ্বৰ্তন/ 451—— শ্বন: मुझे एम० पी० विशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 97 है तथा जो कोटा में स्थित है, (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 24-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाल प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत्त से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त प्रश्नित्मम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/यां]
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के शिए;

धतः मन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के बनुसर्प में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निबित स्पन्तियों, अर्थात्:---

- श्री धन कंबर पितन श्री प्रलादजी पटेल निवासी ग्राम कोलान तहसील पीपलदा जिला कोटा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम चन्द करनावत पुत्र श्री फतेष्ट्रराज, शोपिंग सेंटर, कोटा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबक्षिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबस्वि, जो भी सबस्वि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- ं(ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अञ्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो 'उन्स शक्तिमयम' के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

प्लाट नं० 97 शोपिंग सेंटर, कोटा पर स्थित भवन का उत्तरी भाग जो उपपंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 112, दिनक 24-1-1978 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भौर बिस्तुत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25 सितम्बर] 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, विनांक 25 सितम्बर 1978

निवेश सं० रा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन, 452—ग्रतः मुझे एम० पी० विशष्ठ, गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क्यंये से मधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 97 है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती धन कंबर पितन श्री प्रलादजी पटेल, निवासी ग्राम कोलाना तहसील पीपलदा जिला कोटा (ग्रन्तरक)
- श्रीमती रसीला देवी पितन श्री प्रेम चन्द करनावत,
 शोपिंग सेंटर, कोटा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता- अरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रह्याय 20-क में परिचार्वित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 97, शोपिंग सेन्टर कोटा पर स्थित मकान का उत्तर पश्चिम का भाग जो उप पंजियक कोटा द्वारा क्रमांक 105, दिनांक 21-1-78 पर पंजीहाब विक्रय पत्र में धौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० वशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25 सितम्बर 1978

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

सायकर प्रविभियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सिसम्बर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० म्ना० म्रर्जन/453—श्रतः मुझे एम० पी० विशिष्ठ,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी प्लाट नं० 97 है तथा जो कोटा में स्थित है, (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 13-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर वेने के भ्रग्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रम, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिल क्यक्तियों श्रथीत :--

- श्रीमती धन कंवर पितन श्री प्रलाद जी पटेल निवासी ग्राम कोलाना तहसील पिपलदा जिला कोटा (श्रन्तरक)
- कुमारी संजूबाला नावालिंग पुत्री श्री प्रेमचन्द करनावत बारा वैधानिक संरक्षक श्री प्रेमचन्द करनावत, कोटा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 4.8 दिन की धावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्व द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यादीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 97 पर स्थित भवन का विक्षण पूर्व का हिस्सा जो मोपिंग सेंटर कोटा में स्थित है और उप पंजियक कोटा द्वारा क्रम सं० 65 दिनांक 13-1-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भीर विस्तृत रुप से विवरणित है।

> एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25 सितम्बर 1978

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० प्रर्जन/454--ग्रतः मुझे, एम० पी० विशष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहागया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-13 है तथा जो फालना में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बाली में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 24-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मिश्रक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) धन्तरण से हुई निसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अव, उक्त प्रवितिशन की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निक्तिविधत अपित्यों, प्रवित् 1-- मैसर्स गोल्डन प्लास्टिक्स प्रोपराइटर संदीप प्लास्टिक्स (प्रा०) लिमिटेड, रिजस्टर्ड ग्राफिस 1 ए-बी, नन्दानवन इण्स्ट्रीज ग्रस्टेट, श्रागरा रोड, बम्बई (श्रन्तरक)

2. मैंसर्स खालसा एन्टरप्राईज, फालना (राजस्थान) (अन्तरिती) भी यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए फार्येनाहियां करता हं।

उन्त सन्पत्ति के मर्जन के सन्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भश्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस भश्याय में विया गया है।

बनुसूची

इण्डस्ट्रीयल मोड नं० ए-35, इन्डस्ट्रीयल ग्रस्टेट, फालना (राजस्थान) जो उप पंजियक बाली द्वारा कम संख्या 163 दिनांक 24-1-78 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 28-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अग्निनियम, 1961 (1961का 43) की बारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 प्रक्टूबर 1978

निदाँग सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/455—-श्रत: मुझे एम० पी० विशष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 113 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिष्ठितियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती भाग कौर उपनाम भागमारी विधवा स्व० श्री बलवन्त सिंह जटसिख निवास 113 एच ब्लाक, श्री गंगा-नगर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मिठा सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, 113 एख ब्लाक, श्री गंगानगर (ग्रन्तरिती)

को यह पूत्रना जारों करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

जक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस धष्ठयाय में विया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नं० 113, ए० बी० ब्लाक श्री गंगानगर पर स्थित मकान में हिस्चा जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 52 दिनांक 16-1-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० विशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 7 श्रक्टूबर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०———— आयकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 ग्रक्टूबर 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/456—-श्रतः मुझे एम० पी० विशिष्ठ,

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 113 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्री गंगानगर भूमें, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 16-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- श्रीमती भाग कौर उर्फ भागमरी विधवा स्व०,
 श्री बलवन्त सिंह जटसिख निवासी 113 एच ब्लाक,
 श्री गंगानगर।
- 2. श्री करतार सिंह पुत्र हीरा सिंह, निवासी 113 एच ब्लाक श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज़ंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्धों ग्रौर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 113 बी ब्लाक श्री गंगानगर पर स्थित मकान का भाग जो उप पंजियक श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 53 दिनोक 16-1-78 पर पंजिबद्ध विक्रयपन में ग्रीर विस्तुत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० वणिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपूर

विनोक: 7-10-78

प्ररूप भाई • टी० एन० एस० --

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ण)

श्चर्जन रेंज, सोनीपत

रोहतक, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निवेश सं० बी जी घ्रार/डीएलग्राई/II/77-78--ग्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया घ्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से घ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 104 डी० एल० एफ० हेंडस्ट्रियल इस्टेंट नं० 1 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में,, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम' 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 78को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा या किया बाना काहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, प्रचीत् :-- ले० के० ध्रमरजीत सिंह कलकत पुत्र श्री बलवन्त सिंह कलकत ई०-229, ईस्ट ग्राफ कैलाश नई दिल्ली-24 (ग्रन्तरक)

2. मैसर्ज सुरिन्द्रा बर्दर्स ई-367-ए ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीकि-नियम के भ्रष्ट्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 104 डी॰ एल॰ एफ॰ इन्डस्ट्रियल इस्टेट नं 1 फरीदाबाद जिसका क्षेत्रफल 1721 वर्गगज है ।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 59 में दी है ग्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी दिल्ली के कार्येलय में 21-1-1978 को लिखी गई" ।

> रवींद्र कुमार पटानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज रोहतक,

दिनांक: 30 सितम्बर, 1978

प्ररूप माई॰ टी॰ एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश्नं सं० ए० एफ०-366/एफ० डी० के०/78-79--यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की कारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य, 25,000/- द॰ से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978

की 16) के अधान, विनाक फरवरा, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से
अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तम पाया गवा प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
कर्ष से किंशत नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या भण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आता चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिखे।

सतः भव, उन्त मिसिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त मिसिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिश व्यक्तियों, अवति ।---

- श्री जैन सिंह, मलकीत सिंह पुत्रान फौजा सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी कोटकपूरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री गेजा सिंह मिठु सिंह पुतान सोहन सिंह पुतान सावन सिंह वासी कोटकपूरा (भन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्येशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विद्या गया है।

अनुसूची

कोटकपूरा में 30 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 3223, फरवरी, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 13 सितम्बर, 1978

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०---

मियंकर मियिनयम, 1961 (1961 की 43) की द्वारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, विनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० एफ० 367/8 डी०सी०/78-79— यतः मुझे, पी एन० मलिक आयकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैंसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो संघा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरदुलगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्था था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात्:---

- 1. श्रीमित दलीप कौर विधवा बगीचा सिंह गांव संघा तहसील मानसा (मन्तरक)
- 2. श्री प्रताप सिंह, इकबाल सिंह, सुरजीत सिंह पुत्रान भग्रत सिंह गांव संघ तहसील मानसा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सप्पत्ति में रुचि रखंता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधीहंस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप:--

- (क) इप सूंचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पक्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं प्रिधिनियम, के ग्रंड्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस ग्रंड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संघा में 76 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं 1323, फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सरदुख गढ़ में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 13-9-76 मोहर :

निदेश सं० ए० एफ० 368/8 डीसी/78-79—-यत: मुझे, पी० एन० मलिक

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक हैं।

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो संघा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरदुलगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:—
12-306GI/78

- 1. श्री विकम्बर दास पुत्र गुरदास गांव रजडाना तहसील मानका (अन्तरक)
- 2 श्री महल सिंह, करतार सिंह पुतान बगीचा सिंह गांव संघा तहसील मानसा (ध्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

· को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है !

अनुसुची

संघा में 77 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं 1341 फरवरी 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सरदुल गढ़ में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 13-9-78

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंखा, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० एफ० 369/एन०एस०ग्रार०/78-79 — यत: मुझे, पी० एन० मिलक ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बहादुर पुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, विनांक फरवरी, 1978 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्ति कि कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम, या धनकर ग्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं उक्त यिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात :---

- श्री म्रजीत सिंह पुत्र गुरबक्ष सिंह पुत्र बिशना मल
 वासी बहादुरपुर, (हृशियारपुर)
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मोहन लाल पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र श्रच्छर मल वासी बहादुरपुर (हुशियारपुर) (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड़दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रह्माय 20-क में परि-भाषित हैं, बही ग्रथं होगा जो, उस ग्रह्माय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

बहादुर पुर में 12 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3982 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारी**ख**ू: 13-9-78

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-37०/के पी श्रार/78-79 :—श्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलीओं और इशरवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अधिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल से पन्द्रह अतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धरिक नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कार प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, पै, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री कर्मजीत सिंह पुत्र गुलवन्त सिंह मुखत्यारे ग्राम सेवा सिंह गांव मलीग्रां तहसील कपूरथला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शीतल सिंह श्रीर गुरपाल सिंह गांव मलीश्रा तहसील कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्म होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

प्रनुष्ची

मलीम्रां और इशरवाल गांवों में 72 कनाल 5 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3074 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 18-9-1978

प्रस्व श्राई० औ० एउ० ५५०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) हा धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978 निर्देश सं० ए० पी० 371/एम० जी० ए०/78-79---ग्रतः

मुझे, पी० एन० मिलक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सोढीवाला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रोकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई ह और भुस यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत सं प्रधिक ह और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालेखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप सं कथित न किया हो गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनयम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या अन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधानियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियमः' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथांत:—

- 1. श्रीमित प्रीतन कौर पितन ग्रमर सिंह वासी सरहंदी गेट पटियाला (ग्रन्तरक)
- 2. बलविन्द्र सिंह, निगन्द्र सिंह, ग्रमरजीत सिंह पुत्रान गुर-नाम सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी धन्ना शहीद (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह बुलता जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किनी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे।

स्वब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सोढ़ीवाला गांव में 66 कनाल 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 5396 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 18 सितम्बर, 1978 मोहर : प्ररूप प्राई० टी • एन० एस०----

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी-372/बीटीम्राई/78-79—म्प्रतः मुझे, पी० एन० मिलक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्त्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रातेफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी बाब या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सुभाष चन्द मधोक पुत्र जे० सी० मधोक पुत्र ईशर दास द्वारा सम्प्राट होटल मधोकपुरा, भटिंडा (श्रन्तरक)
- 2. श्री बिशन दास सेठ पुत्र श्री संत लाल सेठ पुत्र श्री बिशम्बर श्रौर चान्द रानी सेठ पत्नी बिशन दास सेठ मकान नं० 386 मधीक-पुरा, भटिंडा (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसम प्रयुवत शन्दों ग्रीर पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मधोकपुरा भटिंडा में एक मकान जैसा कि विलेख नं० 5727 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, भटिंडा ।

दिनांक: 18-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 373/एच एस भ्रार/78-79- श्रतः मुक्ते, पी० एन मलिक

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एपए से श्रधिक है

भीर जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में है लिखा है तथा जो बहादुर पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुणियार-पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के मन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श्व) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री हुक्म सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र बीरबल वासी बहादुरपुर (हुशियारपुर) (ग्रन्तरक)
- 2. क्षमं चन्द, चर्ण दास, हरबंस लाल पुत्रान दिवान सिंह गांव बहादुरपुर (हुशियारपुर) (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बहादुरपुर में 14 कनाल 4-1/2 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं 0 3922 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हुशि-यारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिडा।

दिनांक : 18-9-78

प्रक्रमाई० टी० एन० एस०—-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 374/के पी ध्रार/78-79-प्रतः मुझे, पी० एन० मिलक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-

६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो नरकट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्पूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर घन्तरक (धन्तरकों) घौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के ममुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :—

- 2. 1. जगत सिंह पुत्र गंडा सिंह, (2) बख्तावर सिंह पुत्र ग्रमर सिंह, (3) सुखदेव सिंह, सुखिवन्द्र सिंह पुत्र बखतावर सिंह गांव नरफट जिला कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के मर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

नरकट गांव में 130 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3229 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा।

दिनांक: 18-9-78

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं०ए पी 375/पीएचजी/78-79:-ग्रतः मुझे पी० एन० मलिकः

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक हैं,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो महंद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिध-नियम के भिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी त्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त भ्रिधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रीधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्री जगजीत सिंह पुत्र गोबिन्द सिंह गांव महेरु तहसील फगवाड़ा (प्रान्तरक)
- 2. श्री जगीर सिंह, श्रासा सिंह पुत्रान हरनाम सिंह गांव महेर तहसील फगवाडा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्च होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

महेरु गांव में 66 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1830 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा गया है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

दिनांक: 18-9-78

प्ररूप आई टी एन एस-

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 376/एनकेडी/78----79---ग्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्वात् 'उनत ब्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृह्य 25,000/- २० से ब्रिधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भनुसूची में लिखा है तथा जो सिभुपुर में स्थित है (भौर इससे उपानद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय नकोवर में रजिस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, विनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के यूक्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके यूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे बस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिमत से भिष्क है और भन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य हे उस्त भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धारतरण से हुई किसी आय की बाबत उस्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

घता सब, उक्त बिधिनियम की बारा 269-न के सनुसरण में, में, उक्त सिबिनियम की बारा 269-न की उपबारा (1) के सबीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---13-306GI/78

- 1. श्रीमती गंगो पतिन गामा सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांग गटु बीरवल तहसील नकोदर (अन्तरक)
- श्री मल्क सिंह पुत्र सुन्दर सिंह पुत्र किशन सिंह गांव सिंधु-पुर तहसील नकोदर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (बह्र व्यक्ति, जिसके ग्रीधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिश्व रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, ओ उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिधुपुर गांव में 24 कनाल 1 मरला कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं 1812 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी नकोदर में जिखा है।

> पी० एन० मेलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भटिंडा,

विभाग : 18-9-78

मोह्यर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 377/एचएस श्रार/78-79-श्रतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रिभिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बहादरपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुणियारपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (धन्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्त- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ाय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

द्यतः प्रव, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्घात्भ--

- 1. श्री हुक्म सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र बीरबल वासी बहादरपुर (हुशियारपुर) (श्रन्तरक)
- श्री कर्म चन्द, चर्णदास, हरबंस लाल पुतान दिवान चन्द वासी बहादरपुर (हुणियारपुर) । (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पारकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त प्रधिनियम के भाष्याय 20 क. में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बहादर पुर में 14 कनाल 4 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं॰ 3846 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भटिडा।

विनांक: 19-8-78

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 378/एफ डी म्रार/78-79—म्प्रतः मृझे, पी० एन० मलिक

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीवकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्णात:—

- 1. श्री जैस सिंह उर्फ जरनेल सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह वासी फरीवकोट (ग्रन्तरक)
 - 2. मैसर्ज दुर्गा राईस मिल्ज भालुवाला रोड फरीदकोट (भ्रन्तरिती)
- 2. जैसा कि नं 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्राधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, ओ भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फरीवकोट में 20 कनाल जमीन जैसा कि लिलेख नं० 33661 रजिस्ट्रीकती अधिकाबी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

विनांक: 1-89-78

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, विनांक 18 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ए पी-379आरएचजी/78-79-ग्रतः मुझे पी० एन० मलिक

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से स्थिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माधोपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिषितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रधीन, ---

- 1. श्री बीर सिंह पुत्र अत्तर सिंह पुत्र प्रेम सिंह वासी चान्दपुर (माधोपुर) तहसील फगवाड़ा। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री रेशम सिंह, सोहन सिंह, जरनैल सिंह, करनैल सिंह पुतान गुरबचन सिंह गाँव माधोपुर तहसील फगवाड़ा । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गथा है।

मम्सूची

माधोपुर गांव में 70 कनाल 17 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं 1910 फरवरी, 1978 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 18-9-78

प्रकप ग्राई॰ टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 380/एम०जी०ए०/ 78-79—म्बतः मुझे पी० एन० मलिक

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से मिश्रिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि धनुसूची में लिखा है तथा जो तलमंडी नेपालां में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय जीरां में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,दिनांक मार्च, 1978

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत, से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम या धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मत: मन, उस्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--

- 1. श्री उधे सिंह पुत्र बुटा सिंह, गांव तलवंडी नेपालां तहसील जीरा। (ग्रन्तरक)
- 2. भूपिंद्र सिंह बलजिन्द्र सिंह पुत्रान अजीत सिंह पुत्र जगत सिंह गांव तलवंडी नेपालां तहसील जीरा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 में है (वह न्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)। को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलवंडी गांव में 121 कनाल 14 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख न० 5717 मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राघिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भटिडा

दिनांक: 18-9-78

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 381/ए० बी० एम० / 78-79-- ग्रत: मुझे पी० एन० मलिक न्त्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्पये से मधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो तुतवाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक फरवरी 1978 को पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः :-

- श्रीमती ग्रको बाई पुत्री हाकम सिंह पुत्र नन्द सिंह गांव तुतवाला तहसील फाजिलका (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शबेग सिंह, मेजर सिंह, लखबीर सिंह पुतान बूटा सिंह श्रीर श्रनार सिंह, सरबजीत सिंह पुतान हरबंस सिंह वासी तुतवाला तहसील फाजिलका (भ्रन्तरिसी)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबज्ञ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त घिन नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

तुतवाला गांव में 65 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2447 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 18-9-78 मोहर: प्र**रूप भाई॰** टी० एन० एस०---

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी 382/एम जी ए/78-79-यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो रोशन शाह वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जीरा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीवित्यम के ग्रीवीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी प्रायण किसी घन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः मब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निमित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा ईगर सिर, अनुप सिंह गुर-बचन सिंह, सुखचैन सिंह पुतान वधावा सिंह वासी रोणन गाह वाला (अन्तरक)
- 2. श्री गुरनाम सिंह, लखविंद्र सिंह पुत्रान दयाल सिंह पुत्र बुधा सिंह गांव रोशन शाह वाला (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीच से 45 विस की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

रोशन शाह वाला गांव में 90 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं ० 5409 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है ।

> पी० एन० मलिका, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भटिंखा ।

दिनांक: 18-9-78

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निदेश सं० एपी 383/जी बार० एच०/78-79---अतः मुझे, पी० एन० मलिक बायकर ब्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ब्रिवियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के ब्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से ब्रिविक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मजारा ठंगरियां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (अक्तरिलियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीम कर दैने के अन्तरक के वायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविक्षा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1924 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उन्त प्रधिनियम की बारा 269म के धनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन निम्नसिचित स्पक्तियों, प्रयोद्धाः—

- 1. श्री जीवन सिंह पुत्र भक्तर सिंह पुत्र खजान सिंह वासी माजारा डिंगरियां जिला हृशियारपुर (भ्रन्सरफ)
- 2. श्री परगन सिंह, सरवन सिंह, विलोचन सिंह पुत्रान लक्खा सिंह पुत्र शेर सिंह गांव मजारा डिंगरियां (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घनिष्ठ या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, को भी धनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रह्मोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्षितयम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस श्रक्ष्याय में विया गया है।

धनु सूची

मंजारा डिगरियां गांव में 30 कलाल 10 मरने इति भूमि जैसा कि विलेख नं 3318 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ती धर्मिकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहापक भामकर भामुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, पटिंडा।

विनांक: 18-9-78

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 384/जी० श्रार० एच०/78-79---यतः मुक्षे, पी० एन० मलिक

आय कर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ज के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भरतपुर जटां में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय गढ़ गंकर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

धतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित् :——
14—306GI/78

- 1. श्री जगीर सिंह, कलवंत सिंह पुत्रान जरनैल सिंह राम कौर, विधवा कीड़ा पुत्र नत्यु, चनन सिंह पुत्र ईणर सिंह परसा सिंह पुत्र बंता सिंह गांव जस्सोवाल तहसील गढ़ शंकर (ग्रन्तरक)
- य्रमृत बनास्पति कं० लिमिटेड गाजियाबाद द्वारा श्री एस० पी० भसीन मैनेजर श्रीर मुख्दयारे श्राम (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बाद बारे में प्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, को भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्योकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भरतपुर जटां गांव में 54 कनाल 5 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3278 फरवरी, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> पी० एन० म**लि**क, सक्षम श्र**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 25 सितम्बर, 1978

प्रका प्राई० टो० एन० एस०-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर, 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमप्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यानि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो सईदवाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाप्त्रों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखिन में बास्नविक रून में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रनिरासे हुई िक्सी प्रास्त को बाबत, उक्क पश्चितियम के प्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचा में मुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तिमों का जिन्हें भारतीय धायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम या ब्रन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए,

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रशितियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित धास्तियों, अर्थात् :---

- श्री हनुमान पुत्र सुरजा राम चमन लाल पुत्र लाधु राम द्वारा फकीर चन्द मुखत्यार वासी साईदवाला तहसील फाजिल्का (श्रन्तरक)
- 2. श्री रखपाल, रामेश्वर दास, श्रोम प्रकाश, कृष्ण कुमार पुतान ठाक्षर राम वासी साईदवाला (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उ≢त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

साईदवाला गांव में 86 कनाल 4 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2784 फरवरी, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम स्रिधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भटिंडा

दिनांक: 25-9-78

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ष (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेज भटिडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी-386/एसएच भ्राप् / 78-79—श्रतः मुझे प ० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा तथा है जो गाह-कोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाहकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिगत से प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनारग जिखान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गग हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबन, उ≇त धर्घिनयम के अभ्रीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाप पा किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री ग्रनंत राम पुत्र बंसी लाल द्वारा ग्रुजुएट गारमेटस शाह-कोट (শ্रन्तरक)
- 2. श्री राम प्रकाश, णाम सुन्दर दुकान नं० 62 जवाहर मार्कट शाहकोट (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रुओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूबना गारो करके र्वांश नमानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ख से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभा-पित ह, बही सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

शाहकोट में युकान नं० 62 (जबाहर मार्कट) जैसा कि विलेख नं० 179, फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 25-9-78

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन● एस●-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए०पी० 387/बीटीग्राई/78-79—श्रतः मुझे पी० एन० मलिक,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्त बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जीदा में स्थित है (श्रौर इस उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है घौर घन्तरक (घन्तरकों) घौर अन्तरिती (घन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रधीन कर बेने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः म्रब, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथात्:—

- श्री लाभ सिंह, जरनैल सिंह पुत्रान नार सिंह पुत्र सुचा सिंह, मेजर सिंह पुत्र गुरनाम सिंह गांव जीरा तहसील भटिंडा (श्रन्तरक)
- 2. श्री सतपाल, साधु राम और छोटु राम, प्रेम चन्द संतोष रानी वासी गोनियाना (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है):
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के आर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जीदा गांव में 45 कनाल 16 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 5698 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 25-9-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस ---

ष्ठायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की ष्ठारा 269 थ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए पी-388/एम एन एस/78-79---ग्रतः मुझे पी० एन० मलिक,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• इपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसुची में लिखा है तथा जो स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), है जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरदुलगहु में रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री बिशम्बर दास पुत्न श्री गुरदास गांव रजडाना (ऋन्तरक)
- 2. श्रीमित दलीभिकौर विधवा बगीचा सिंह ग्रौर सुखा सिंह पुत्र बगीचा सिंह गांव संघा (ग्रन्तिरती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्व किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

संघा गांव में 77 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं 0 1324 फरवरी, 1978 रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी सरदुलगढ़ म लिखा है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा,

तारीख: 25 सितम्बर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙—--

अरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की धारा** 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-389/जैटीयू/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० जैमा कि श्रमुसूची में लिखा है तथा जो जैतो पत्ती कमरा में स्थित है (ग्रीर इससे उराबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्री सुरजीत सिंह पुत्र मोहन सिंह वासी रोमाना श्रलबेल सिंह तहसील जीरा

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री सोहन सिंह, मोहन सिंह, ग्रात्मा सिंह, दर्शन सिंह पुत्रान नाजर सिंह गांव दल सिंह वाला
 - (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्रार्वन के लिये कार्यगिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्थाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त ग्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

पत्ती कमरा जैतो में 21 बीघे 8 विसवे जमीन जैसा कि विलेख नं० 1306 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जैतो में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

सारीख: 25-9-1978

प्ररूप धाई• टी• एन• एम•---

प्रापंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याता, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 390/एफ डी के/78-79---यतः मुक्षे, पी०एन०मलिक,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-जा के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची म लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्रत से ग्रिधिक है प्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से दक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधिनियम क मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

द्यत: धब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्।—— श्री सिरी राम पुत्र राघ नरैन पुत्र माछी मल वासी कोटकपुरा

(ग्रन्तरक)

- 2. सोहन दास बेला तबसी पूर्ण दास, चेला महंत पंजाब दास गांव बिगड तहसील फुल श्रब कोटकपूरा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वाश्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, क भीकर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य अ्थिक्त द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपूरा में 56 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3308 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 25-9-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-391/फरीदकोट/78-79--यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो पत्ती कमरा में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित म
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रिशिनियम के श्राधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात्:—

- 1. श्री दर्शन सिंह पुत्र बखतावर सिंह गांव मत्ता । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सोहन सिंह, मोहन सिंह, प्रात्मा सिंह, दर्शन सिंह पुत्रान नाजर सिंह वासी दलसिंह वाला। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त संपत्ति के स्रजैंग के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :→

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्व
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त ग्रिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रियं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**सूची**

पत्ती कमरा जैतो में 14 बिघा 19 बिसवा कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1325 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 25-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भश्चित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रजंन रैंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-392/एस० पी० एल०/78-79—— मुझे, पी० एन० मलिक,

धायकर घिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गिल में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुलतान पुर लोधी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर मन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: भव, उक्त घिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त घिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के घिन निम्निकित व्यक्तियों, घर्थात्:--15-306 GI/78 श्री राम सिंह पुत्र हरी सिंह गांव गिल तहसील सुलगान पुर लोधी

(अन्तरक)

 श्रीमती भजन कौर पत्नी सोहन सिंह गांव गिल तहसील सुलतानपुर लोधी

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करला है।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रूपावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्थम्बोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उसत मधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

गिल गांव में 43 कनाले 3 मरले कृषि भूमि जैसा विलेख नं० 1205 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सुलतानपुर लोधी में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 25-9-1978

प्रकप माई०टी०एन०एस०-----

भायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जैन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 25 सितम्बर 1978 निर्देश सं० ए० पी०-393/बी० एल० सी०/78-79—यतः, मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से ध्रिषक है

भौर जिसकी सं जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है, तथा जो सरोइया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बलाचौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिक्षियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः धव, उन्त श्रीधनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित यक्तियों, प्रचीतः—

 श्री लछमन वास पुत्र जोती राम गांव क्रीमपुर तहसील बलाचीर जिला हिशियारपुर मुखत्यारे श्राम, निक्कु, नन्दु करतारा पुत्रान बांका गांव दसौर तहसील रनबीरसिंह पुरा, जिला जम्म्

(ग्रन्तरकः)

2 श्री चुहडु राम पुल मस्त राम गांव बग्गुवाल तहसील बलाचौर (2) मनसा राम पुत्र भुपा राम गांव बिनेवाल तहसील गढ़ शंकर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब इ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी घनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

हपड्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

सरोया गांव में 49 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1655 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी बलाचौर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 25-9-1978

क्पए से अधिक है

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस० —

म्रायकर ममिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंखा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-394/एम० जी० ए०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मिलक,
प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ध्रनुसूची में लिखा है तथा जो गलोटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भौर धन्तरके (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राम की बाबत उक्त ग्रिशिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना गाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीन निम्निसिखत व्यक्तियों भर्यात:-- श्री बलकार सिंह पुत्र तेजा सिंह गांव गलोटी तहसील जीरा

(ग्रन्तरक)

2. श्री जरनैल सिंह पुत्र बलकार सिंह गांव गलोती तहसील जीरा

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए नार्मेवाह्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त आयक धिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिमाधित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गलोटी गांव में 40 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 5724 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 18-9-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०-315/एम० डी० ए०/78-79— यत:, मुझे, पी० एन० मिलक,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में दिया गया है तथा जो दर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिका के लिए;

ग्रतः ग्रबं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :—

- 1. श्री उजागर सिंह पुत्र महना सिंह पुत्र भ्रमीर सिंह गांव कांगेवाल डाकखाना मंदर तहसील जीरा (भ्रन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्द्र सिंह, सतनाम सिंह, बखणीश सिंह पुन्नान तारा सिंह पुन्न बंता सिंह वासी मंदर तहसील जीरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों झौर पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

मंदर गांव में 32 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख र्न० 6123 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 18-9-1978

प्र≰प धाई• टी• एन॰ एस॰-----

मायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1827- यत, मुझे, वी० एस० दहिया,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है, तथा जो सोडल रोड, जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रून से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लेपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नम्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीत ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी प्रायं की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः धन, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्री श्रीराम पुत्र चेत राम एन० एफ० 121 मोहल्ला थापरा जालन्धर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री केवल कृष्ण पुत्र मोहन लाल गांव श्रलावलपुर (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध ओ भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बख किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परि-भाषित हैं वही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

शनुष्यी

प्लाट नं० 9 जैसा कि विलेख नं० 6689 फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन-रेज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्रकप धाई। टी। एन। एस।

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1828—यतः, मुझे, बी० एस० वहिया,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- घपए से मधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो माडल टाउन जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धांकिक है धौर प्रम्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखिल में बास्तविक इष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) निम्नलिखित न्यक्तियों, के अधीन प्रयत् :— 1. श्री गुरवयाल सिंह गुलाटी पुत्र बूटा सिंह, 590 सूरज गंज जलन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुदर्शन सेठी पुत्र दौलत राम 265-श्रार० माडल टाऊन जलन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में ह (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के भध्याय 20-क में यथा परिचाधित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याय में विया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 26514 का श्राधा हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 6929, फरवरी, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सिसम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी०-1829—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिधक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो शहीव ऊधम सिंह नगर, जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख फरवरी 1978

(1908 का 16) के प्रधान, तिराख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरिक (अन्तरिकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उकत प्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रचीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, प्रपत्ः— श्री करम सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, हनूपाल नंगल, ऊजागर [सिंह पुत्र मेहर सिंह वासी हनूमान।

(ग्रन्तरक)

- श्री सत्य पाल वर्मा, डवलपमेंट ग्राफीसर, एल० ग्राई० सी०, मार्फत 71-शहीच ऊधम सिंह नगर, जलन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी प्राप्ती:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिष्ठ या तत्संबद्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ भ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम के श्रष्टयाय 20क में परिभावित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है। स

ग्रमुस्ची

प्लाट नं० 71 जैसा कि विलेख नं० 6940 फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी०-1830—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पतड़ कलां गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भौर/ या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 269-ग के श्रनुतरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयातुः—- 1. श्री मोहन सिंह पुत्र बन्ता सिंह गांव पतड़ कला तहसील जलन्धर।

(ग्रन्तरक)

 श्री केवल सिंह भ्रौर रेशम सिंह पुत्र सवर्ग पुत्र दौलत राम, गांव पत्र, कलां, जलन्धर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मंबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मंबंधि, जो भी मंबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उमत भिन्न नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भूषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो पसड़ कलां में जैसा कि विलेख नं० 6985 फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्हा श्रिधिकारी में लिखा है।

> बी॰ एस॰ दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ज० पी० /नं० 1831---यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोता सिंह नगर जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है श्रीर यह श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे शम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखत उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण शिखित में वास्तविक ६ में से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः प्रव उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित ध्यक्तिकों, ग्रिधीन्16—306GI/78

- श्री राम लुबाया पुत्र परमानंद किला मोहल्ला जलन्धर (भन्तरक)
- श्री मनजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह ई-डी०-218 8न मोहल्ला जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के मन्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, नो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकका किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्व्याकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसुची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 7016 में फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1832---यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माइल टाऊन जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिणत से श्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों)
भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी स्नाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन :---

1. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी प्रीतम सिंह 166-म्रार० माडल टाऊन जलन्धर

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र लखबीर सिंह 172-श्रार० माउल टाऊन जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 7112 में फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 28-9-1978

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं०ए० पी०नं० 1833—यतः, मुझ, बी०एस० दहिया,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गंढा गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

कि अधान, ताराख फरवरा 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और
भन्तरितीः (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त भन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है—

- (क) धन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित् !--- श्रीमती दिवन्द्र कौर पुत्नी मंहिगा सिंह पुत्न नरैण सिंह वासी गढ़ा वाहन्डा

(ग्रन्तरक)

- श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी जसबीर सिंह, जसबी सिंह पुत्र अमर सिंह गांव सुमाना तहसील जलन्धर (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुवनः जारा करके दुर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी ब्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना कं राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ग्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य वाक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरणः --इसमें संयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घऽषाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस घऽषाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 7118 में फरवरी 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है । बी० एस० दिहास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख : 28-9-1978

प्ररूप प्राई० टी • एन • एम • ~---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269म (1) के भन्नीन नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्वेष सं० ए०पी० नं० 1834—यतः, मझे, बी०एन० दहिया,

भागकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्धाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी साम को बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर डैने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐपी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमूसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन. निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी केहर सिंह 441-माङ्क टाऊन, जलन्धर

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री पी॰ एस॰ प्रीतम सुरजीत सिंह पुत्र मेहर सिंह 441-म्रार॰ माडल टाऊन, जलन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुवता जारी करक पूर्वीक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

न्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के नक्याय 20-क में परिकाक्ति हैं, वहीं धर्म होगा, जो इस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 441-श्रार० जैसा कि विलेख नं० 7148 में फरवरी 1978 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जलन्धर

विनांक: 28-9-1978

प्रस्प माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

ग्रायकर <mark>प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43</mark>) की धारा 269 घ (1) के **प्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1835--यतः, मझे, बी० एस० दहिया, भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर, जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्सरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) बीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त श्रवि-निवम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में मुजिखा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी माय या किसी घन या श्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः भ्रथ इन्स द्यांधानयम की घारा 269न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269 व की उपधारा (1) के अद्योग निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री राम लबाया पुत्र परमानन्द किला मोहल्ला जलन्धर (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी ममजीत सिंह इ०-डी०-218 ढन मोहल्ला जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में को 🕻 भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्वमित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रिशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनयम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्षहोगा जो उस शब्दाय में दियागया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 7157 में फरवरी, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीखाः 28-9-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 28 सितम्बर 1978

ं निर्देश सं० ए०पी० नं० 1836—–यतः, मझै, बी०एस० दहिया.

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीष्ठक है.

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोता सिंह नगर जलन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रस्ट्रिकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रोर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धनकर श्रिधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रत: म्रब, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त म्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के म्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:--- 1. श्री हम्बेस सिंह पुत्र मन्शा सिंह क्याटर नं० ईजी-/14/ बी० संत नगर जलन्धर

(ग्रन्तरक)

2 जसवंत सिंह, कुलदीप सिंह पुत्र आत्मा सिंह ६-जी० 34 संत नगर जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 चिन की श्रवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का, जो उन्स ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 7244 में फरवरी 1978 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 28-9-1978

प्ररूप भाई०टो०एन०एस०→--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ख (1) के अधीन गूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निदेश सं० III-276/ग्रर्जन/78-79—-ग्रतः मुझे एम० <mark>एन०</mark> तिवारी

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृत्य 25,000/-- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं होन्डींग नं 119, प्लैट नं 1113, सकोल नं 45, सीट नं 116, वार्ड नं 14 (20 पुराना) म्यूनसपल कार्पीरेगन महल्ला शिवपुर, महेन्द्र, पटना में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-1978 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबन, उक्त मिश्रानियम के ग्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्त में कमी करने प्राउसमें बचने में मुविधा के लिए; श्रीसंब।
- (बा) एसी कियो प्राय या कियो धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विवधा के लिए;

अतः अतः, जनतः अधिनियम की घारा 269गं के अनुसरण मं, में, उन्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, धर्यात् :---

- (1) श्रीमती कालिन्दी देवी जौज श्री गिरीण प्रसाद शर्मा याम कैली पोस्ट-धनरूवा-जिला पटना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री जुगेश्वर शर्मा ग्राम/पोस्ट— कछुवारा थाना वाढ़ जिला पटना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के भर्तन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षप : --- ं

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोड्स्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृमुची

जमीन का रकवा 10 कट्टा 10 धूर एक मंजीला पक्का मकान महित जिसका प्लौट नं० 1113 सीट नं० 116 सिकल नं० 45, होन्डींग नं० 119, वार्ड नं० 14 (20 पुराना) है और जो महल्ला शिवपूर, पोस्ट महेन्द्रु जिला पटना में स्थित है और जो पूर्णरूप से दस्तोवज संख्या 394 दिनाक 19-1-78 में विणत है और जो जिला ग्रवर निवन्धन पदा-धिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

एम०एन० तिवारी सक्षम श्रिष्ठिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख 27-9-1978 मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th October 1978

No. R-8/73-Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri R. Chakravarti, who was a permanent Section Officer of the cadre of the Ministry of Home Affairs and was working as Junior Analyst on deputation in the Central Bureau of Investigation, retired from the Government service from the afternoon of the 30th September 1978.

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 5th October 1978

No. A-35018/15/77-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri

Kanai Datta, Sub-Inspector of Police, West Bengal Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st September 1978 until further orders.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) CBI

LAI, BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 30th September 1978

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office Notification No. 2/46/75-EST, dated 22-4-1978, the Director is pleased to appoint Shri K. C. Saxena as Librarian on ad-hoc basis for a further period of six months with effect from 15th October 1978 or till some final decision regarding the post of Librarian is taken by the Government whichever is earlier.

K. RANGARAJAN Dy. Director (Senior)

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 5 October 1978

No. 1359-CA-I/86-78—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:

Sl. No. & Name of the A	O. (¢	C.) 						Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A. Os. (C)	Date of posting as offig. A.O. (C)	
1								2	3	4	
S/Shri 1. N.P. Suxena								C.A.G.'s office New Delhi	MAB & Ex-officio DCA, Bhopal	29-7-78	AN
2. T.S. Subrahmanyan	•	•	•	•	•	•	•	MAB & Ex-officio DCA, Bangalore	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	29-6-78	FN
E.V.N. Sarma			•			•	•	A.GII, Andhra Pradesh	Do.	30-6-78	FN
4. K.V. Subba Rao	•	•	•	•	•	•	٠	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	20-5-78	FN
5. I.A.M. Matte	•	•	•	•	•	•	•	A.G. (S & CD), Bombay	MAB & Ex. officio DCA, Bombay (Off-shore-project, Bombay)	31-5-78	FN
6. H.L. Satpute	•		•		•	•	•	Do.	A.G. (S&CD), Bombay.	31-5-78	FN

(S. D. BHATTACHARYA)
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th September 1978

No. OE.I/254.—Shri J. N. Sood, a permanent Accounts Officer, has been permitted to retire voluntarily from service with effect from 29th August 1978 forenoon in terms of the provisions of Government of India, Ministry of Home Affairs Department of Personnel and Administrative Reforms Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt(A), dated 26th August 1977.

KRISHNA GOPAL Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 26th September 1978

No. Admn. I/II-144(XIV)/157 - The Accountant General, U.P.-I,-Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1.	J.C. Bhatia		31-7-78 F.N.
2.	Mahesh Chandra Srivastava		31-7-78 F.N.
3.	Krishneshwar Dingar ·		31-7-78 F.N.
4.	Hari Krishan Lal Verma		31-8-78 F.N.
5.	Abdus Salam · · ·		31-8-78 F.N.
6.	Someshwar Singh Chauhan		4-9-78 F.N.
7.	Radha Krishan Lal		8-9-78 A.N.
8.	Girlsh Chandra Verma		31-8-78 F.N.
9.	Shyam Sunder Misra ·		1-9-78 F.N.
10.	Ram Babu Saxena		31-8-78 F.N.
11.	Som Nath Roy · ·		31-8-78 F.N

U. RAMACHANDRA RAO Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi, the 5th October 1978

O.O. No. Admn.V-248/29(A)(2).—Shri V. N. Bakhshi, a permanent Audit Officer in the P & T Branch Audit Office Delhi has retired from service with effect from 31st July 1978 (A.N.) on superannuation.

S. KRISHNAN

Sr. Dy. Chief Auditor (H. Qrs.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi,-110022, the 3rd October 1978

No. 18399/AN-IL.—On his selection for appointment to the Indian Administrative Service, Shri Dilip Kumar Chakraborty, Probationer in the Indian Defence Accounts Service, has been struck off the strength of the Department with effect from the afternoon of the 22nd July 1978.

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 19th September 1978

No. 47/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri T. R. Sharma. Offg. Asstt. Manager (Permanent Asstt. Storeholder) retired from service with effect from 30th April 1978 (A/N).

V. K. MEHTA

Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 29th September 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/1150/76-Admn(G)/7263.—On attaining the age of superannuation Shri H. R. Nagpal, a permanent Grade IV officer of the CSS. relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August 1978.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 29th September 1978

No. A-31013/6/78-A-6.—The President is pleased to appoint Shri A. Mitra, officiating Deputy Director General 17—306GI/78

(Inspection) in the Super-time Scale of Grade I of the Indian Inspection Service, Group 'A' in the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the same post with effect from 11th November 1976 against the permanent post released by Shri P. C. Kapoor on his retirement.

SURYA PRAKASH Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th October 1978

No. 6685-B51/62/19A.—Shri B. K. Raut, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 31st May 1978 afternoon).

The 5th October 1978

CORRIGENDUM

No. 1734(4)/77/19C.—The name of Shri K. Narasimha Rao appearing at Sl. No. 42 in this office notification No. 1734 (4)/77/19C, dated 27th May 1978 may be read as Dr. K. Narasinga Rao.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th October 1978

No. A-19011(19)/70-Estt.A.—On his deputation to the planning Commission, as Chief (Minerals), Shri S. K. Das Gupta, permanent Deputy Controller of Mines and officiating Regional Controller of Mines has relinquished the charge of the post of Regional Controller of Mines with effect from the afternoon of 4th August 1978.

S. BALAGOPAL Head of Office

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th October 1978

No. A.19023/75/78-A.III.—Smt. R. S. Nehetc. Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay with effect from 12th September 1978 (F.N.) on purely temporary and ad-hoc basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On her promotion as Marketing Officer, Smt. Nehete relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Bombay in the forenoon of 12th September 1978.

The 7th October 1978

No. A.19023/76/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Calcutta, Shri S. Ghosh handed over

charge of the post of Marketing Officer at Farldabad in the afternoon of 28th September 1978.

No. A.19025/99/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Dr. Shalendra Kumar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at New Delhi with effect from

16th September 1978 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt, of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th September 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm.13123.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 18, 1978 to the afternoon of October 21, 1978 vice Shri T. T. Pishori, Assistant Personnel Officer proceeding on leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

Bombay-400 001, the 29th September 1978 DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./24982.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Chakkusseri Kavungare Raghavan, a permanent Assistant and officiating Assistant Accounts Officer-in Bhabha Atomic Research Centre as offiiating Accounts Officer-II in the same Directorate with effect from the forenoon of August 29, 1978 until further orders vice Shri G. L. Haldipur posted to Bhabha Atomic Research Centre, Trombay.

K. P. JOSEPH For Administrative Officer

Bombay 400 001, the 5th October 1978

No. DPS/23/9/77-Est./25290.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri H. C. Bhatnagar, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 14-2-1978 to 15-7-1978, vice Shri S. P. Anand, Assistant Stores Officer, Kota Regional Purchase and Stores Unit granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

Bombay-400 008, the 4th October 1978

Ref. HWPs/Estt/1/N-17/4436,.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, a permanent Lower Division Clerk in the office of the Director of Supplies (Textiles) and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity,

on ad-hoc basis, from April 15, 1978 (FN) to May 20, 1978 (AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Project (Tuticorin), appointed to officiate as Accounts Officer.

The 10th October 1978

Ref. HWPs/Est/P-20/4561.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Ghansyam Chhaganbhai Patel, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project w.c.f. July, 18, 1978 (FN) to August 31, 1978 (AN) vice Shri S. C. Thakur, APO, deputed for training.

Ref. HWPs/Estt/B-15/4562.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Govindlal Amritlal Bhavsar, a temporary Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project w.e.f. June 1, 1978 (FN) to July 4, 1978 (AN) vice Shri D.P. Mathur, Assistant Accounts Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN, Senior Admin, Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

Bombay-400 039, the 11th September 1978

No. APA/Adm/16/23/73.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority, Department of Atomic Energy, Bombay appoints Shri S. Krishnan, a permanent Asstt. Personnel Officer of this office as an officiating Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for the period from the forenoon of March 20, 1978 to the forenoon of June 26, 1978 in the same station vice Shri R. Veera Raghavan, Administrative Officer-III transferred to Department of Atomic Energy, Bombay as Under Secretary.

T. J. ASNANI Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th October 1978

No. E(1)03989.—On attaining the age of superannuation Shri A. Sen, officiating Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1978.

No. E(I)04386.—Shri E. K. Raja, Officiating Assistant Meteorologist, in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, India Meteorological Department, retired voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of 31st August. 1978.

The 7th October 1978

No. E(1)03436.—On attaining the age of superannuation Shri S. Parthasarthy, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1978.

G. R. GUPTA, Meteorologist, for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th July 1978

No. A. 32014/1/78-EC--The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.c.f. the date and station indicated against each:-

S. No.	Name			 	-		Present station of posting	Station to which posted	Date of charge	taking over
1. Shri A.S. Paul		,					Aeronautical Communication Station Bombay	Aeronautical Communication Station Bombay	16-6-78	(FN)
2. Shri A.K. Bag	chi		•		•	•	Aeronautical Communication Station, Imphal	Aeronautical Communication Station, Imphal	15-6-78	(FN

The 7th October 1978

No. A-12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. P. Bhagat as Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th July, 1978 and until further orders, and to post him in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay.

S. D. SHARMA, Dy. Dir. of Admn.

New Delhi, the 30th September 1978

No. A. 38012/13/78-ES.—Shri A. N. Chakrabarty, Senior Aircraft Inspector in the office of Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, relinquished charge on 31-8-1978 on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR Asstt. Drector of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 29th September 1978

No. 1460/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Mukherjee, Technical Assistant, Calcutta Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis, in the same Branch, w.e.f. the forenoon of the 3rd April, 1978, and until further orders.

The 7th October 1978

No. 1/461/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. K. Shrivastava,

Technical Assistant, O.C.S., Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 18th August, 1978, and until further orders.

No. 1/462/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Prem Chandra, as Assistant Engineer in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 7th September, 1978, and until further orders.

No. 1/463/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri J. B. Sharma, Tech. Assistant, O.C.S., Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in Dehra Dun Branch of OCS, with effect from the forenoon of the 31st July, 1978, and until further orders.

No. 1/464/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. V. Tathawadekar, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Asstt. Engineer in an officiating capacity in Arvi Branch with effect from the forenoon of the 17th August, 1978 and until further orders.

No. 1/465/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. Kothandaraman, Tech. Assistant, D.T.S., Poona, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 29th July, 1978, and until further orders.

No. 1/466/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. N. Roy, Technical Assistant, Calcutta, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Arvi Branch, with effect from the forenoon of the 31st July, 1978, and until further orders.

P. K. G. NAYAR, Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Pune, the 13th October 1978

No. 2:CFX. PN/78—Statement showing names, addresses and other particulars of persons convicted by a Court for contravention on of Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 with in the jurisdiction of Pune Central Excise Collectorate during the period from 1-7-78 to 30-6-78.

S. No	Name and address of the person.	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened.	Particulars of sentence awarded by the Court.	Remarks,
P		Section 9(1) (b), 9(1) (bb) and 9(1) (c) of Central Excises and Salt Act, 1944 for removing tobacco in contravention of the provisions of the Act and Rules, made thereunder and maintained incorrect accounts knowing them to be false.		J.M.F.C. Satara Criminal case No. 5822/77 decided on 8-2-78

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the

October 1978

No. 16/78-C.No. 1041/69/78.—Shri Lakhinder Singh, lately posted as Asstt. Collector of Central Excise, Faridabad and on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise vide Deptt. of Rev. order No. 139/78 (F. No. A 22012/20/78-Ad-II), dated 29-8-78, assumed charge of the post of Inspecting Officer Customs and Central Excise (Group 'A' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi on 18-9-78 (Forenoon).

M. V. N. RAO, Director of Inspection

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th October 1978

No. 3-445/77-Estt.(E).—Shri S. K. Ralhan, Jr. Engineer who has been officiating as Stores Officer on ad hoc and temporary basis w.e.f. 31-12-1976 (AN) is promoted on regular basis to the post of Stores Officer, GCS Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Central Ground Water Board, Faridabad w.e.f. 16-9-1978 (AN) till further orders.

AJIT SINGH Chief Engineer & Member

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aradhna Lucky Chit Fund & Financiers Private Limited

Jullundur, the 5th October 1978

No. G/Stat/560/6706.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aradhna Lucky Chit Fund & Financlers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Palta Lucky Scheme & Finance Private Limited

Jullundur, the 5th October 1978

No. G/Stat/560/2615/6709.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration on three months from the date hereof the name of the Palta Lucky Scheme & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. Private Limited

Jullundur, the 5th October 1978

No. G/Stat/560/2866/6711.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh In the matter of the Companies Act, 1956 and of Essemcee Private Limited

Calcutta, the 4th October 1978

No. 23883/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Essencee Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Regent Chit and Investment Private Limited

Calcutta, the 4th October 1978

No. 29753/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Regent Chit and Investment Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cementation Construction Company

Madras-600006, the 7th October 1978

No. DN/4371/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cementation Construction Company has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kamadhenu Metal Rolling Mills Private Limited

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Madras the 7th October 1978

No. 4167/C.Liqn/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High court of Judicature at Madras, dated 4-11-1976 passed in C. P. No. 7 of 1969 the Company Kamadhenu Metal Rolling Mills Private Limited was wound up.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Madras Catholic Permanent Funds Limited (in liquidation)

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the October 1978

No. 3532/C.Liqn/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 27-10-1977 passed in C.P. No. 86/76, 93/76, 8/77, 10/77 and 15/77 the Company Madras Catholic Permanent Funds Limited was wound up.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Woodshine Private Limited (in liquidation)

(Section 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 11th October 1978

No. 5180/C.Liqn/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 2-2-1978 passed in C.P. No. 68 of 1977 the Company Woodshine Private Limited was wound up.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Madras Metal Fabrique Private Limited (in liquidation) (Section 445 of the Companies Act 1956)

Madras the 11th October 1978

No. 6044/C.Liqn/445/78.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 9-2-1978 passed in C.P. No. 98 of 1977 the Company Madras Metal Fabrique Private Limited was wound up.

> Y. SATYANARAYANA Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Arms & Saraswat Marine Engineers Private Limited

Panaji-4033001, the 12th September 1978

No. 253/G.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arms & Saraswat Marine Engineers Privite Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

D. R. GHAROTE Registrar of Companies Goa, Daman & Diu

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-20, the 9th October 1978

No. F. 48-Ad(AT)/1978-PII.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal,

Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months from 1-3-1978 to 31-8-1978, vide this office Notification No. F. 48-Ad (AT)/1978 dated 30th March, 1978, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of six months from 1-9-1978 to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax appellate Tribunal (Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months from 1-3-1978 to 31-8-1978, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1978 dated 30th March, 1978, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta for a further period of six months from 1-9-1978 to 28-2-1979 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appontment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

D. RANGASWAMY President

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(38)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 82, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Chetumal Hashanand Kukreja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 82, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhinagar, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(39)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 83, constructed on Piot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwantibai Abhimanu Kukreja, Jaripatka, Nagpur

(Transférée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 83, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(40)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 84, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument.

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

 Shri Narayandas Gulabchand Diwecha, Itwari, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Shop No. 84, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(41)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 85 and 86, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe fair market value of the property as aforesaid exceeds—the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—306GI/78

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Sceretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Vithaldas Purushottamdas Diwecha, Itwari, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 85 and 86, constructed on Plot No. 58, in ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(42)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 87 and 88, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Sccretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Vallabhdas Digamber Disawala, Central Avenue, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 87 and 88, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 20th July 1978

Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 The Nagpur General Merchant's Co-Market cum Housing Society, Ltd., Gar through its Secretary, Shri D. L. Multani, Co-operative Gandhibagh, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulabai w/o Maojibhai Shah, Wardhamannagar, Nagpur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(43)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 89 and 90, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 89 and 90, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

> K. M. CHAVDA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(44)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 91, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Tekchand Chatandas, Near Daga Hospital Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 91, constructed on Plot No. 58, ln Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitlon Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Seal:

FORM ITNS-

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Amerdas s/o Chatandas Chhabria, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR, NAGPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Nagpur, the 20th July 1978

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

that Chapter.

shall have the same meaning as given in

No. IAC/ACQ/73(45)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 92, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagour on 27th January 1978

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Shop No. 92, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram Dhondbaji Nachankar, Chitar Oli, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(46)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 96, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 96, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Seal:

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(47)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 97, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Kanhayalal Hashanand Kukeraja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 97, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(48)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 98, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Hirabai Arjundas Kukreja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by an, of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 98, constructed on Plot No. 58, in Ward No 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(49)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 99 and Godown No. 19, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—306GI/78

 The Nagpui General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(1) Shri Ghanshyam Hashanand Kukreja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 99 and Godown 19, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpar.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(50)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 100 and Godown No. 20, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Saralabai w/o Chetumal Kukreja, Jaripatka, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, ot the acquisition of the said property may be maed in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 100 and Godown No. 20, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(51)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 119 and Godown No. 30, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Hussainali Mulla Ahamadali, Loha Oli, Nagpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 119 and Godown No. 30, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(52)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 101, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 30th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

 Smt. Rabbabi Adheali, Shekh colony, Takli-Feeder Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 101, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(53)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 102, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sarabai w/o Sajiad Hussain, Bhandara Road, Nagpur.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 102, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(54)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 105 & 106, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Moojibhai s/o Lakhmi Shah, Wardhamannagar, Nagpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 105 and 106 constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(55)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 115 and 116, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor

(2) Shri Purushottam Prayagbhai Sahu, Bajeria, Telipura, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 115 and 116, constructed on Plot No. 58, im Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(56)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 30 and 31 and Godown No. 78, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur

situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 31st January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Premji Surji Kotharl, Bhagwaghar, Dharampeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 30 and 31 and Godown No. 78, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(57)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 103 and 104 constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully descried in the schedule annexed hereto) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair has een transferred under the Registration Act, 1908 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

20 - 306GI/78

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shekh Enyat Hussain Mulla Kamarali, Reshim Oli, Itwari, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 103 and 104, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Scal;

(1) The

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Pritamlal Nandlal Parekh, Farm Land, Ramdaspeth, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, **NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

Ref. No. IAC/ACQ/73(58)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 70,71 and Godwn No. 6 constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 70, 71 and Godown No. 6 constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July, 1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Dhanraj Laxmichand Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(59)/78-79.---Whereas, I, M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 110 and 111, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978

Nagpur on 25th January. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 110 and 111 constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(60)/78-79.—Whereas, J, K_{i} M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 26, 29 and Godown No. 44, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 25th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Ahamadali Mulla Gulam Abbas, Itwari, Nagpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 26, 29 and Godown No. 44, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date . 20-7-1978

FORM LINS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGÉ, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(61)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 107, 120 and Godowns No. 33 and 34, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Gaffaranbanu w/o Ahamadali, Resham Oli, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 107, 120 and Godowns No. 33 and 34 constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ux,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(62)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 94, 95 & Godown No. 28, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 27th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Deshraj Gandmal Grover, Shankarnagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 94, 95 and Godown No. 28, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(63)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-aud bearing No.

Shop No. 65 & 66, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 27th January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Bulchand Gagoomal, Mahal, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made n writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 65 and 66, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dat : 20-7-1278

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAH CHEMBER, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(65)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA,

being the Competent Authority under Section 269-D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 36, constructed on Plot No.

58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 8th February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpui, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohamad Zakatiya Hazi Amibhat, Debendianath Road, Akoia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36, constructed on Piot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) The Nagpur General Marchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Gandhibagh, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Murraraji Thakkar, Gandhibagh, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAH CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(73)/78-79.—Whereas, J, K. M. CHAVDA. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 54 and 55, constructed on Plot No. 58, in Ward No 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 25th January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :-21—306GI/78

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 54 and 55, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

> K. M. CHAVDA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20-7-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. JAC/ACQ/74/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 964, constructed on Plot No. 56, in Ward No. 24, Circle No. 5/10, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1)Shri Gajanan Marotrao Sakharkar, Circle No. 9/14, Ladpura, Nagpur,

(Transferor)

(2) Smt. Kavitabai w/o Shyamlal Khemani, C/o Laxmi Oil Mills, Lukadgonj, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquilstion of the said property may be made a writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 964, constructed on Plot No. 56, in Ward No. 24, Circle No. 5/10, Nagpur.

K. M. CHAVDA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20th July 1978

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Indirabai Diwakarrao Kurde, R/o and Post. Hiwarkhed, Tah. Morshi, Distt. Amravat.

(Transferor)

(2) Smt. Radikabai Krushnarao Pandav, Kanuman Nagar, Nagpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/75/78-79.—Whereas, I, K, M. CHAVDA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agricultural land bearing No's 81/1, 82/2, and 84, 17.36 Acres at and Mauja, Kachari Saonga, Tal. Katol, Dist. Nagpur situated at Kachari Saonga

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nagpur on 3-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tsubsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No's 81/1, 82/2, and 84 at & Mauja Kachari Saonga, 17.36, Acres land Tah. Katol, Distt. Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20-7-1978

(1)Shri Pandurang Jagobaji Kadwe, Ghat Road, Timber Market, Nagpur.

(2) 1. Smt. Jiwanibai Devidas Miglani,
2. Shri Kundanlal Pushkarlal Miglani,
3. Bhushanlal Pushkarlal Miglani,

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/70/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

N.I.T. Plot No. 13, House No. 779 (New) Ward No. 6B, Circle No. 2, Rajabaxa Road, Nagpur situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transfree for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(Transfcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

All r/o Junnardeo, Dist. Chhindwara

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

N.I.T Plot No. 13 House No. 779 (New) Ward No. 6B, Circle No. 2, Rajabaxa Road, Nagpur.

H. C. SHRIVASTAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 20-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th April 1978

Ref. No. Acq.F.No. 665.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14/13-1 13 situated at Main Road, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 19-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Vadlamani Laxmikantam,

V. Venkataramana,
 V. Kamasastry Subrahmanyam, Ramalingeswara Agraharam, Suryaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

(2) 1. Pobolu Punnaiah,

2. P. Seetharamamurty,

3. P. Subrahmanyam,

4. P. Bhaskara Venkatalaxminarasimharao,

5. P. Nookaraju Satyanarayanamurty, Digumartivari Vecdhi, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 267/78 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-1-1978.

> N. K. NAGARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 20-4-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th July 1978

Acq. File Ref. No. 716.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. $25,\overline{000}$ /- and bearing No.

RS 105/1 situated at Gunadala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act',
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 T. Sarojini Devi, w/o. Dr. T. V. Krishna Rao, Umakrishna Buildings, Bashcer Bagh Palacc, Hyderabad-28.

(Transferor)

(2) Fr. Joseph pataram, Secretary, The Roman Catholic Diocese of Hyderabad (Deccan) Society, Bishop's House, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 29/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 28-7-1978.

(1) Smt. Meharunnisa Begum, w/o, Mohd. Abdul Khadar, H. No. 11-5-149, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th July 1978

Acq. File Ref. No. 717.—Wherens, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

21/763 situated at Railpeta, Masulipatam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Masulipatam on 12-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Pedasingu Veera Venkamma, w/o. Sitarama-swamy, Chormpudi, Bandaru Tq, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 153/78, registered before the Sub-Registrar, Masulipatam, during the F. N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-7-1978.

 Shri Varahagiri Prabhakara Rao, s/o Late Venkataramayya, 16-Karkai Road, Nildhi, Jamshedpur, Tatu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. C. Umabala, w/o Ramarao, Dr. No. 14-11-6, Ramajogipeta, Maharanipeta Visakhapatnam-530002.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 29th July 1978

Acq. File Rcf. No. 722.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14-11-6 situated at Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnum on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 61/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 29-7-978.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st July 1978

Acq. File Ref. No. 727.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-21-108 situated at Arundelpet, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 11-1-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Smt. Peddada Krishnaveni, w/o. Sundararama Seshaiah, ZP. 1-266, Taranaka. Road No. 3, Hyderabad. (Transferor)
- (2) (1) Shri G. Hanumantha Sarma, s/o. Krishna Rao, (2) Smt. G. Bramaramba, 4th Line, Arundelpet. Guntur-2.

(Transferce)

(3) Shri P. Subbayya Sarma, LIC Agent (Retd.), Guntur. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 114/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 15-1-1978.

> N. K. NAGARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 31-7-1978,

Seal ;

22--306GI/78

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th August 1978

Acq. File Ref. No. 728.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN.

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-25-9 situated at Old Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sabada Narayana Rao, S/o. Purushothama Rao, Old Guntur, Guntur, Now at: Bangalore, 31 Palace, Lower Archards, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri Kamisetti Sambasivarao, s/o. Raghavaiah, Old Guntur, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 46/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 4-8-1978.

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1978

Acq. File Ref. No. 733.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

37-6-39 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 29-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Repaka Veera Sarveswara Rao, adopted son of Smt. R. Ravanamma,

2) Smt. R. Laxmikantam

(3) R. Ramakrishna.

(4) R. Narayan M/G. Father Sri R. Veera Sarveswara Rao; Digumarthivari

(5) R. Satyavati J St., Kakinada.

(Transferor)

(2) Gollapudi China Venkata Swamy, s/o. Venkata Subbarao, Tilak St., Kakinada.

(Transferee)

(3) M/s. G. Ch. Venkataswamy & Co., Kakinada. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 441/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 7-8-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 16th August 1978

Acq. File Ref. No. 738.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-62-21 situated at Vijavawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 D. Balagangadhara Sastry, GPA Holder Sri D. Radhakrishna Murthy, Advocate, Prakasam Road, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Devi, w/o Dhanpathraj (2) Sri Dhanpathraj, s/o Kanmalji, c/o Sha Kanmal Dhanpathray, Ramgopal Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) K. Mohan Rao (2) A. Durga Rao (3) Vijaya Durga Lorry Transport, Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. /78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,

Date: 16-8-1978.

PORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th August 1978

Acq. File Ref. No. 741.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

16-3-43 situated at Poornanandampet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sanraka Krishna Rao, s/o. Venugopala Rao, 2, S. Vijayalaxmi (3) S. Venkata Ramana Rao, (4) Agarbha Pandu Ranga Swamy, s/o. Krishnaswamy, Poornanandampet, Vijayawada-520003.

(Transferor)

(2) K. L. Hanumantha Rao, c/o Vijaya Iron Company, 11/347, Waizulla Saheb St., Vijayawada-1,

(Transferce)

(3) Mandal Congress Office (2) R. Sudhakar (3) R. Siva (4) V. Diwakar (5) Kerala Samajam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ...-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 139/78, registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 16-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th August 1978

Acq. File Ref. No. 742.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-14-33 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Narasimha Rao, Retd. Asst. Secretary of A.P.S. Co-operative Bank Ltd., Malakpeta, 16-2-674/9, Hyderabad-36.

(Transferor)

(2) Gontla Jayabhaskara Rao Gupta (2) Smt. G. Bala Santha Kumari, c/o. Sri Durga Aluminium & Stainless Steel Equipments, 29-37-139, Bunder Road, Vijayawada-2.

(Transferec)

(3) Dr. P. Krishnamurthy (2) Baliram Eknath Joshi, Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 283/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-8-1978.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th August 1978

Acq. File Ref. No. 743.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16-3-24 situated at Purnanandampet, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 27-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vemula Pulleswara Rao (2) V. Srinivas M/G. Father Sri V. Pulleswararao, Artist, Kowthavari St., Purnanandampet, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) Burlagadda Kusama Kumari, w/o. Venkata Krishnarao, Door. No. 16-3-24, Kowthavari St., Purnanandampet, Vijayawada-3.

(Transferee)

(3) B. S. N. Sastry (2) K. V. Gopala Krishnaiah (3) Ch. Veerabhadra Rao (4) Nandikeswara Rao, Vijavawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 422/78 registered before the Sub-Registrar, Vljayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-8-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th August 1978

Acq. File Ref. No. 744.--Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-33-1/3 situated at Kasturibaipet Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Anne Sudharani, w/o. Bhavanikoteswara Prasad, 391/3RT., Sanjeevareddi Nagar, Hyderabad-500038. (Transferor)
- (2) (1) Nimmagadda Ratnasekhar (2) Nimmagadda Sivanagendraprasad Boddapadu, Vijayawada Tq. (Transferee)
- (3) M. Nageswara Rao, Vijayawada.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 347/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17h August 1978

Acq. File Ref. No. 745.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11-12-42 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 5-1-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23-306GI/78

 Parepalli Ramakoteswara Rao, s/o. Tukaram, Iron Merchant, Sobhanadri Lane, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Kurnala Maheshkumar, Iron Merchant, c/o S.K.P. Traders, Main Road, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) M/s. Seven Star Liquors, Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 53/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 17-8-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th August 1978

Acq. File Ref. No. 746.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

11-12-42 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 5-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Parepalli Ramakoteswara Rao, s/o. Tukaram, Merchant, Sobhanadri Lane, Vijayawada.

(Transf

(2) Kurnala Mohana Venkata Koteswara Rao, Merchant, c/o. K.K.P. Tradcrs, Main Road, V wada.

(Transf

(3) M/s. Seven Star Liquors, Vijayawada.

(Person in occupation of the proj

Objections, if any, to the acquisition of the said pro may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perk 45 days from the date of publication of this 1 in the Official Gazette or a period of 30 days the service of notice on the respective pe whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in able property within 45 days from the date c publication of this notice in the Official Gaze

Explanation:—The terms and expressions used hereing are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document 52/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, c the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARA, A.I.,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following, persons, namely:

Date: 17-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th August 1978

Acq. File Ref. No. 747.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26/107 situated at Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gudipati Laxmi Narasimham, s/o. Narasimha Murthy, Sajjapuram Tanuku, W. G., Dist.,
 - (Transferor)
- (2) Vatsavayi Venkataraju s/o. Subbaraju, Sajjapuram, Tanuku, W. G. Dist.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cahpter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No-90/78 registered before the Sub-Registrar, Tanuku, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th August 1978

Acq. File Ref. No. 748.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26/107 situated at Tanuku (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanuku on 12-1-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gudipati Jayaram, s/o. Narasimha Murthy, Sajjapuram Tanuku, W.G. Dist.,

(Transferor)

(2) Vatsavayl Venkataraju, s/o. Subbaraju, Sajjapurām, Tanuku, M.G. Dist.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 92/78 registered before the Sub-Registrar, Tanuku, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 18th August 1978

Acq. File Ref. No. 749.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

26/107 situated at Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Gudipati Chandrasekhar Rao, s/o. Narasimba Murthy, Sajjapuram, Tanuku, W.G. Dist.,

(Transferor)

(2) Vatsavayi Satyavati, w/o Venkataraju, Sajjapuram, Tanuku, W.G. Dist.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 91/78 registered before the Sub-Registrar, Tanuku, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-8-1978.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th August 1978

Acq. File Ref No. 750.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 130/1 situated at Chandraparru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Palakol on 16-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kalaga Venkata Ganeswara Suryanarayana Murthy, s/o. Venkata Surya Satya Sambhu Prasad, Main Road, Palakol.

(Transferor

(2) Shrimati Katiki Veeravenkata Saraswati, W/o. Veera Raghavulu, 2nd Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 45/78 registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th August 1978

Acq. File Ref. No. 751.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
RS 139/1 to 5 & 140/1 & 2 situated at Chandraparru (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kalaga Venkata Laxmi, w/o Late Gunneswara Rao, Main Road, Palakol, W.G. Dist.,

(Transferor)

(2) Shri Katiki Veeraraghavulu, s/o. Sectharamayya, 2nd Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 44/78, registered before the Sub-Registrar, Palakol, during the F.N. ended 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 18-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref. No. 752.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

32-9-1 situated at Vljayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-1-1978.

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Katragadda Anil Kumar, s/o. Sreenivasa Rao, c/o. Navayuga Films, Candhinagar, Vijayawada-3.

 (Transferor)
- (2) Shri Katragadda Papaiah, s/o. Sreenivasa Rao, C/o. Navayuga Films, Candhinagar, Vijayawada-3.

 (Transferee)

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 385/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978,

(1) Katragadda Anil Kumar, s/o. Sreenivasa Rao, C/o. Navayuga Films, Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Tionsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Katiagadda Chitra, d/o Srcenivasa Rao, c/o. Navayuga Films, Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref. No. 753.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

32-9-1 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-1-1978

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 386/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—
24—306GI/78

Date: 19-8-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Katragadda Anil Kumar, s/o. Sreenivasa Rao, c/o. Navayuga Films, Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferor)

(2) Garapati Sambasiyarao, s/o. Peda Kanakayya, 24B, Kamdar Nagar, Madras-600034.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref. No. 754.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

32-9-1 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule proprety as per registered document No. 387/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref No. 755.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/336, Saraswati Talkies situated at Jaggaiahpet

1/336, Saraswati Talkies situated at Jaggaiahpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaggaiahpet in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gummadapu Venkateswarlu, s/o. Veeraraghavulu, c/o. Saraswathi Talkies, Potti Sreegamulu Št., Juggaiahpet, Krishna Dist.,

(Transferor)

- (2) Chodavarapu Diwakar, s/o. Mallayya, c/o. Saraswathi Talkies, Potti Sriramulu St., Jaggaiahpet;

 (Transferee)
- (3) Kurmala Narasimham, Jaggaiahpet.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document. No. 57/78 registered before the Sub-Registrar, Jaggaiahpeta, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Rcf. No. 756.—Wherens, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/336 situated at Jaggaiahpeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaggaiahpeta in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Gummadapu Venkateswarlu, s/o. Veeraraghavulu, C/o. Saraswathi Talkies, Potti Sreeramulu St., Jaggaiahpet, Krishna Dist.,

(Transferor)

(2) Chodavarapu Nagamallikarjuna Rao, s/o. Bapanaiah, c/o. Saraswathi Talkies, Potti Srceramulu St., Jaggaiahpet.

(Transferee)

(3) Kurmala Narasimham, Jaggaiahpet.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 53/78 registered before the Sub-Registrar, Jaggaiahpet, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref. No. 757.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/336 situated at Jaggaiahpeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaggaiahpeta in January 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Gummadapu Venkateswarlu, s/o. Veeraraghavulu, c/o. Saraswathi Talkies, Potti Srecramulu St., Jaggalahpeta, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Chedavarapu Ramagovindam, s/o. Mallayya, c/o. Saraswathi Talkies, Porti Sreeramulu St., Jaggaiahpeta.

(Transferce)

(3) Kurmala Narasimham, Jaggaiahpeta.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 54/78 registered before the Sub-Registrar, Jaggaiahpeta, during the F.N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Ref. No. 758.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/336 situated at Jaggaiahpeta

1/336 situated at Jaggaianpera (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaggaiahpeta in January 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby inhibitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Gummadapu Venkateswarlu, s/o. Vecraraghavulu, c/o. Saraswathi Talkies, Potti Srceramulu Stc., Jaggaiahpeta, Krishna Dist.,

(Transferor)

.(2) Chodavarapu Kanakapramcela Devi, w/o Naga Janardana Rao, c/o. Saraswathi Talkics, Pottisreeramulu St., Jaggaiahpeta, Krishna Dist.,

(Transferec)

(3) Kurmala Narasimham, Jaggaiahpeta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 55/78 registered before the Sub-Registrar, Jaggaiahpeta, during the F. N. ended on 31-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 19th August 1978

Acq. File Rcf. No. 759.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23-11-10B situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on 28-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair milket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Gupta Anasuya, w/o. Narasimha Rao, Sri Venkateswara Subrahmanyeswara Tourist Travels, Near Manorama Hotel, Bunder Road, Vijayawada-2

(Transferor)

(2) Shri Chunduri Nageswara Rao, s/o. Sreeramulu, Padmanabha General Stores, Jaihind Market, Vijayawada-1.

(Transferee)

(3) (1) Murali Ktishna & Co., (2) V. B. S. Prakasarao (3) Puppada Sutyanatayana (5) Sti Bhagawan, Vijaywada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 353/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 31·1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 19-8-1978.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd August 1978

Acq. File Ref. No. 763.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dhanalaxmi Oil & Rice Mill, situated at Mangalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalaguri on 1-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respeet of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) (1) Vupputuri Narasimha Rajendra Kumar & his two minor sons.
 - (2) Smt. V. Ratnamala, w/o. V. N. R. Kumar. Lalapeta, Battala Bazar, Guntur Tq.

(Transferors)

(2) Partners of M/s. Dhanalaxmi Oil & Rice Mill, Mangalagiri :

List of partners :

- (1) V. Sambasivarao.
- (2) Ch. Subbarao.
- (3) J. V. Prasada Rao.(4) V. Ramesh Babu.
- (5) N. Madhusudhanarao.(6) S. Venkatasubbaiah.
- (7) Smt. V. Nagendram.(8) Smt. Ch. Subhadra.
- (9) S. Venkatanarayana, (10) D. Dharmarao.
- (11) M. Madhayarao.

(Transferee)

(3) (1) A. Pitchayya (2) L. Perumallu (3) I. Rangarao, Mangalagiri.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 101/78 registered before the Sub-Registrar, Mangalagiri, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 22nd August 1978

Acq. File Ref. No. 764.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 101/1&2, 102/3, 121/2 & 122/2&3 situated at Saidepudi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gudivada on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

25-306GI/78

(1) Shri Lingamneni Jagadiswara Rao, s/o Venkatakrishnayya Autonagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Talasila Sushila, w/o Ramakrishna Prasad, Dondapadu, Gudivada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.13/78 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd August 1978

Acq. File Ref. No. 165.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50/1&4, 51/6, 103/2, 105/1 & 122/1 situated at Saidepudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 4-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Smt. Lingamneni Seethamahalaxamamma, w/o. Venkata Krishnayya, Saidepudi, Dondapadu., (P.O.), Gudivada Tq.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Talasila Syamala, w/o Kishorbabu, Dondapadu, Gudivada Tq. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 12/78 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11,

Kakinada, the 22nd August 1978

Acq. File Ref. No. 766.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 102/1 situated Saidepudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gudivada on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lingamneni Venkatakrishnaiah, s/o Ramanayya, Saidepudi, Dondapadu (P.O.). Guidvada Tq. (Transferor)
- (2) Sınt. Talasila Laxmibai, w/o Kranti Kumar, Dondapadu, Gudivada Tq. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 19/78 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Talasila Laxmibai, w/o Kranti Kumar, Dondapadu, Gudivada Tq.

(1) Shri Lingamneni Jagadeswara Rao, s/o Venkata

(Transferor)

Krishnaiah, Autonagar, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Kakinada, the 22nd August 1978

Acq. File Ref. No. 767.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102/1 situated at Saidepudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 20/78, registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-1-1978.

> N. K. NAGARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Medisetti Sathiraju, s/o Venkataswamy, 26-8-144, Old Bus stand Road, Visakhapatnam-1,

(Transferor

(2) M/s P. S. Enterprisers, Iron & Steel Merchants, (B.O.)—Rajaram Mohanroy Road, Visakhapatnam. Represented by its senior partner Sri R. S. Sarma, s/o Late Surajmal Sharma.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1978

Acq. File Ref. No. 786.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26-25-61 situated at G. S. N. Sastry Road, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 11-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 162/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Dated: 31-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th September 1978

Acq. File Rcf. No. 787.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28-4-39 situated at Eluru

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Eluru on 12-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kaligotla Kanakadurgamba, w/o Sundarasivarao, Oil Merchant, Powerpet, Eluru (W.G. Dist.).

(Transferor)

(2) Smt. Motaparthi Vijayalaxmi, w/o Venkata Subbarao, Lecturer, Sir C.R.R. College, Eluru (W.G. Dist.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 12/78, registered before the Sub-Registrar, Eluru, during the F.N. ended on 15-1-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-9-1978

FORM FINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK.

Rohtak, the 27th September 1978

Ref. No. BGR/36/77-78.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24, D.L.F. Industrial Area Estate No. II, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Shripat Rai \$/o Sh. Dhanpat Rai, R-7, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Forgewell (P) Ltd., 4747, Suraj Bhawan, 23-Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Industrial Area Estate No. II, on Mathura Road, Faridabad.

"Property as mentioned in the sale deed registered at sl. No. 5357 dated 27-2-1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 27-9-1978.

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Vishnu Alias Manck Hiranand Kirplani, 148. Appin Avenue, Montreal 304, Canada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK.

Rohtak, the 26th September 1978

Ref. No. BGR/DLI/9/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19-A at Industrial Estate, No. 1, situated at Deihi-Mathura Road, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19-A having an area of 1664.3 sq. yds. situated at Industrial Estate No. 1, Delhi-Mathura Road, Faridabad. "Property as mentioned in sale deed registration No. 36, of January, 1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 26-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK.

Rohtak, the 26th September 1978

Ref. No. BGR/DLI/10/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Industrial plot No. 106 at D.L.F. Industrial Estate No. 1, situated at 13/7, Mathura Road, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Deihi in January, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—306GI/78

(1) Lt. Col. Amarjeet Singh Kalkat, S/o Sh. Balwant Singh Kalkat, R/o E-229, East of Kallash New Delhi-24.

(Transferor)

(2) M/s Oriental Overseas Pvt. Ltd., 71-Eros Appartments, 56, Nehru Place, New Deihi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 106, having area of 1718.5 sq. yds. and situated at DLF, Industrial Estate No. 1, 13/7, Mathura Road, Faridabad.

(Property as mentioned in sale deed registration No. 40 dated 13-1-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Deihi).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 26-9-1978.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRATH MARG, LUSKNOW.

Lucknow, the 23rd September 1978

Ref. No. 37-G/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a double storyed house including shop and Chabutra etc. a double storyed house ncluding shop and Chabutra etc situated at Mohalla Brigtan Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barcilley on 13-7-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sohan Lal s/o Puran Lal and other.
 - (Transferor)
- (2) Shri Girlsh Prasad Arya s/o Govind Prasad Arya & others.

(Transferee)

(3) Om Prakash Arya.

(Person in occupation of the property).

(4) Shri Om Prakash Arya.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storyed house including shop & Chabutra etc. measuring 451 sq. metrs. of land situate at Mahalla Bagh Brigtan P.O. City Barelly and all that description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37-G No. 261 of 1978 dated 13-7-1978 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.
57, Ram Tirath Marg, Lucknow.

Date: 23-9-1978

Scal;

(1) Smt. Dhankanwar wife of Sh. Praladhjl Patel resident of village Kolana, Teh. Pipalda, Distt. Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th September 1978

Ref. No. IAC(Acq)Raj/78-79/450.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

97 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 13-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Shri Devender Kumar minor son of Shri Premchand through legal guardian Smt. Rasiladevi Shoping centre Kota.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South west wing of property situated upon plot No. 97 shoping center Kota more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 66 dated 13-1-78.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 25-9-1978

(1) Smt. Dhankanwar wife of Sh. Praladhji Patel, resident of village Kolana, Teh. Pipalda, Distt. Kota (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th September 1978

Ref. No. IAC/(Acq)/Raj/78-79/451.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

97 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kota on 24-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Premchand Karnawat s/o Sh. Fatheraj Shopping Center Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North portion of building situated upon Plot No. 97, Shopping center and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 112 dated 24-1-1978.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Jaipur, the 25th September 1978

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/78-79/452.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

97 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Koat on 21-1-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dhankanwar wife of Sh. Praladhji Patel, resident of viliage Kolana, Teh. Pipalda Distt. Kota.

 (Transferor)
- (2) Smt. Rasiladevi wife of Sh. Premchand Karnawat, 97 Shoping centre Kotah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North west wing of property situated upon plot No. 97 Shoping centre Kota and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Kotah vide registration No. 105 dated 21-1-78.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th September 1978

Ref. No. IAC/(Acq.)/Raj/78-79/453.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 13-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dhankanwar wife of Sh. Praladhji Patel, resident of village Kolana, Tch. Pipalda Distt. Kota.

 (Transferor)
- (2) Kumari Sanju Bala minor daughter of Shri Premchand Karnawat through L. G. Shri Premchand, Karnawat, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South east corner portion of house building situated upon plot No. 97 Shoping centre Kota and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Kota vide registration No. 65 dated 13-1-78.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 25-9-1978

(1) M/s. Golden Plastics (Prop. Sundeep Plastics (P) Ltd. Bombay, Regd. Office 1A-B, Nandanvan Industrial Estate Agra Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th September 1978

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/454.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A-135 situated at Falna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bali on 24-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/8. Khalsa Enterprise, Falna (Rajasthan).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. A-35, Industrial Estate, Falna (Rajasthan).

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th October 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/455.—Whereas, 1, M. P. VASISTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 113 H Block situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagkaur allas Bhagamri wd/o late Shri Balwant Singh Jatsikh r/o 113 H Block, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shrl MithasinghS/o Shrl Kartarsinghr/o 113 H Block, Srigranganagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated upon plot No. 113 H Block Sriganganagar and more full described in the conveyance deed registered by SR Srinagar vide registration No. 52 dated 16-1-1978.

M. P. VASISTHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Bhagkaur alias Bhagamri wd/o late Shri Balwant Singh Sikh Jat r/o 113 H Block, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Kartarsinghs/o Shri Hirasinghr/o 113 H Block Sriganganagar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th October 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/456.—Whereas, I. M. P. VASISTHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 113 H Block situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—
27—306GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property situated upon plot No. 113 H Block Sriganganagar and more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar Sriganganagar vide registration No. 53 dated 161-1978.

M. P. VASISTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7-10 1978

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th September 1978

Ref. No. BGR/DLI/11/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 104, D.L.F. Industrial Estate No. I, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Amarjit Singh Kalkat s/o Sh. Balwant Singh Kalkat, R/o E-229, East of Kailash, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) M/s Surindra Brothers, E-367-A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 104, D.L.F. Industrial Estate No. I, Faridabad measuring 1721 sq. ds.
(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No. 59 dated 21-1-1978 in the office of the Registering Authority.

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 30-9-1978.

Seal;

Delhi.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. AP/366/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on Februar, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jain Singh, Sh. Malkiat Singh 88/0 Sh. Fauja Singh 8/0 Chanda Singh r/0 Kotkapura.

(Transferor)

(2) S/Shri Geja Singh, Mithu Singh ss/o Sh. Sohan Singh s/o Sh. Sawan Singh, r/o Kotkapura.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals in village Kotkapura as mentioned in the Registered deed No. 3223 of Feb., 78' registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 13-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. AP/367/SDL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALJK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Sangha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sardulgarh on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely—

 Smt. Dalip Kaur wd/o Shri Bagiya Singh. r/o Vill. Sangha Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) S/Shri Partap Singh, Iqbal Singh, Surject Singh ss/o Sh. Bhagat Singh, r/o Vill. Sangha Tch. Mansa.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 76 Kanals in Village Sangha as mentioned in sale deed No. 1323 of February, 1978 registered with the S.R. Sardulgarh.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 13-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM-S-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. AP/368/SDL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. as per schedule situated at Sangha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property-and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bishamber Das s/o Shri Gurdas, r/o Vill: Rajrana, Teh. Mansa.

(Transferor)

(2) S/Shri Mahal Singh, Kartar Singh ss/o Shri Bagicha Singh, Vill: Sangha, Teh: Mansa.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 kanals & 15 marlas in village Sangha as mentioned in sale deed No. 1341 of February, 1978' registered with the S.R. Sardulgarh.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatindà.

Date: 13-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. AP/369/HSR/78-79.—Whereas, I, P. . MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bahadurpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Ajit Singh

s/o Shri Gurbaksh Singh s/o Shri Bishan Mal r/o Bahadurpur (Hoshiarpur).

(Transferor)

(2) Shri Mohal Lal

s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Achhar Mal

r/o Bahadurpur (Hoshiarpur).

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanals in village Bahadurpur as mentloned in sale deed No. 3982 of February, 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 13-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-370/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Malian & Iahkhan (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on February, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfir and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Karamjit Singh s/o Shri Gulvant Singh, Mukhtiaram Sewa Singh, r/o Vill. Malian, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Sheetal Singh & Gurpal Singh, r/o Vill. Malian, Teh. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 75 kanals & 5 Marlas in village Malian & Isharwal as mentioned in sale deed No. 3074 of February 78 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978.

Şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

6562

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No AP-371/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Vil. Sodhi Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur w/o Shri Amar Singh, r/o Sarhandi Gate, Patiala.

(Transferor)

 (2) S/Shri Balwinder Singh, Naginder Singh, Amarjit Singh
 ss/o Shri Gurnam Singh
 s/o Shri Ujagar Singh,
 r/o Dhanna Shaheed, Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 Kanals and 19 marlas in village Sodhi Wala as mentioned in sale deed o. 5396 of February, 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-372/BII/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh . Subash Chand Madho s/o Shri J. C. Madhok s/o Shri Ishar Dass c/o Samrat Hotel, Madhokpura, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shri Bishan Dass Seth s/o Shi Sant Lal Seth s/o Sh. Bishamber & Sh. Chand Rani Seth w/o Shri Bishan Dass Seth, H. No. 386 Madhok Pura, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house in Madhokpura as mentioned in the sale deed No. 5727 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978,

Scal:

28-306GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-373/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per schedule situated at Bahadurpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hoshiarpur on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Hukam Singh
 Shri Gurdial Singh
 Shri Birbal
 R/o Bahadurpur (Hoshiarpur).

(Transferor)

(2) S/Shri Karam Chand, Charan Dass, Harbans Lal ss/o Shri Diwan Singh R/o Bahadurpur (Hoshiarpur).

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanals & 4-1/2 marlas in village Bahadurpur as mentioned in the Registered deed No. 3922 of February 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-374/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Narkat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Kapurthala on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dhani wd/o Munna Singh, Vill. Narkat, Distt. Kapurthala.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jagat Singh s/o Shri Ganda Singh
 - 2. Shri Bakhtavar Singh s/o Shri Amar Singh
 - Shri Sukhdev Singh, Shri Sukhvinder Singh s/o Shri Bakhtavar Singh, Village Narkat, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 130 kanels & 16 marlas in village Narkat as mentioned in the Registered deed No. 3229 of February, 1978 registered with the S.R. Kapurthaia.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Rcf. No. AP-375/PMG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Maheru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagjit Singh s/o Shri Govind Singh, Vill. Maheru. Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) S/Shri Jageer Singh, Asa Singh ss/o Shri Harnam Singh, Vill. Maheru, Teh. Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 kanals in village Maheru as mentioned in the Registered deed No. 1830 of February, 78, registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME--TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-376/NKD/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule stuated at Sindhupur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aot or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Gango w/o Shri Gama Singh s/o Shri Jawahar Singh, Vill. Gatubirbal, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Malook Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Shri Kishan Singh Vill. Sindhupur, Tch. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 karnals & 1 marla in village Sindhupur as mentioned in sale deed No. 1812 of Feb., 1978 registered with the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-377/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Bahadurpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hoshiarpur on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrl Hukam Singh s/o Shri Gurdial Singh s/o Shri Birbal r/o Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Karam Chand, Charan Das, Harbans Lal ss/o Shri Diwan Chand r/o Bhadurpur (Hoshiarpur).

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferce)

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned]

knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanals in village Bahadtir as mentioned in sale deed No. 3846 of February, 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-378/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on February, 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Jai Singh Urf Jarnail Singh s/o Shri Gurdial Singh, R/o Faridkot.

(Transferor)

(2) M/s Durga Rice Mills, Bhaluwala Road, Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Kanals in Faridkot as mentioned in sale deed No. 3366 of February, 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK,
Competers Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-377/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Vill. Madhopur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl Vir Singh 8/0 Shri Attar Singh 8/0 Shri Prem Singh, R/0 Chandpur (Madhopur), Teh. Phagwara

(Transferor)

(2) S/Shri Resham Singh, Sohan Singh, Jarnail Singh, Karnail Singh, ss/o Shri Gurbachan Singh, Vill, Madhopur, Teh. Phagwara,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 70 Kanals and 17 marlas in village Madhopur as mentioned in sole deed No. 1910 of February, 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978

Seal ;

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-380/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Talwandi Nepalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
29—306GI/78

 Shri Udhey Singh s/o Shri Buta Singh, Vill. Talwandi Nepalan, Ich. Zira,

(Transferor)

(2) S/Shri Bhupinder Singh, Baijinder Singh ss/o Shri Ajit Singh s/o Shri Jagat Singh, r/o Vill. Talwandi Nepalan, Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPYANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 121 kanals & 14 marlas in village Talwandi as mentioned in the sale deed No. 5717 of March 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978

Seal:

1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-381/ABH/78179.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Tutwala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on February, 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ako Bai d/o Shri Hakam Singh s/o Shri Nand Singh, r/o village Tutwala, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Shabeg Singh, Major Singh Lukhbir Singh s/o Shri Buta Singh & S/Shri Anaar Singh, Sarbjit Singh ss/o Shri Harbans Singh, r/o village Tutwala, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 8 marlas in village Tutwala as mentioned in sale deed No. 2447 of February, 1978 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-382/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALJK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Roshan Shah Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur wd/o Shri Iishar Singh, S/Shri Anup Singh, Gurbachand Singh Sukchain Singh ss/o Shri Wadhawa Singh, r/o Village Roshan Shah Wala, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurnam Singh and Lakhwinder Singh ss/o Shri Dial Singh s/o Shri Budha Singh, r/o Village Roshan Shah Wala, Teh. Zira.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 90 Kanals and 16 marlas in village Roshan Shah Wala as mentioned in sale deed No. 5409 of February, 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 18-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-383/GRH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No. as per schedule situated at Vill. Majara Dingrian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jiwan Singh s/o Shri Attar Singh s/o Shri Khazan Singh, R/o Vill. Majara Dingrinn, Teh. Garh Shanker, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Pargan Singh, Surwan Singh, Tarlochan Singh ss/o Shri Lakha Singh s/o Shri Sher Singh, R/o Vill. Majara Dingrian, Teh. Garh Shanker,

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals and 10 marlas in village Majara Dingrian as mentioned in sale deed No. 3318 of February, 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatlnda.

Date: 18-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th September 1978

Ref. No. 384/GRH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bharatpur Jatan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshanker on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jagir Singh, Kalvant Singh ss/o Shri Jarnail Singh, Smt. Ram Kaur wd/o Shri Keera s/o Shri Nathu, Shri Chanan Singh s/o Shri Ishar Singh Shri Parsa Singh s/o Shri Banta Singh, Vill. Jassowal, Teh. Garbshanker.

(Transferor)

(2) M/s Amrit Banaspati Co., Ltd., Gajiabad c/o Sh. S. P. Bhaseen Manager & Mukhtiaram.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the under signed knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 54 kanals & 5 marlas in village Bharatpur as mentioned in sale deed No. 3278 of Feb., 78' registered with the S.R. Garhshanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA,

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. A.P. 385/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Saidwala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:--

- (1) Sh. Hanuman s/o Sukha Ram, Chaman Lal, Ladhu Ram C/o Faquir Chand Mukhtiar R/O Saaidwala, Teh. Fazilka.
 - (Transferor)
- (2) S/Sh. Rachpal, Rameshwar Das, Om Parkash Krishan Kumar ss/o Thakur Ram R/O Saaidwala. (Transferce)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.
- *(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 86 kanals & 4 marlas in village Snaldwala as mentioned in the sale deed no. 2784 of Feb., 78' registered with the S.R. Abohar.

> P. N. MALIK, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-386/SHK/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Shahkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Anant Ram s/o Bansi Lal c/o Graduate Garments, Shahkot.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash, Sham Sunder, Shop No. 62, Jawahar Market, Shahkot.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 62 (Jawahar Market) in Shahkot as mentioned in the sale deed No. 1790 of Feb., '78 registered with the S.R. Shahkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. A.P.387/1377/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Zeeda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) S/Sh. Labh Singh, Jarnail Singh ss/o Naar Singh s/o Sucha Singh, Major Singh s/o Gurnam Singh, Vill. Zeeda Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Sat Pal, Sadhu Ram & Chotu Ram, Prem Chand. Santosh Rani, R/o Goniana.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 kanals & 16 marlas in village Zeeda as mentioned in the sale deed No. 5698 of Feb. 78 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated: 25-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. $\Lambda P388/MNS/78-79$.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per scheduled situated at Sardulgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—
30-306GI/78

(1) Sh. Bishamber Dass s/o Gurdas, Vill. Rajrana, (Transferor)

(2) Smt. Dalip Kaur w/o Bagicha Singh & Sukha Singh s/o Bagicha Singh, Vill. Sangha. (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,
[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanations:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 kanals & 15 marlas in viliage Sangha as mentioned in the sale deed No. 1824 of Feb. 78 registered with the S.R. Sardulgarh.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-389/JTU/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Jaito Pati Kamra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jajtu on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(J) Sh. Surjit Singh s/o Mohan Singh R/o Romana Albej Singh Tch. Zeera,

(Transferor)

(2) S/Sh. Sohan Singh, Mohan Singh, Atma Singh. Darshan Singh, ss/o Naazar Singh, Vill. Dal Singh Wala.

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned]
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the spid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 Beegha & 8 Visla in village Pati Kamra Jaitu as mentioned in the sai deed No. 1306 of Feb. 78 registered with the S.R. Jaitu.

P. N. MAL!

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated: 25-9-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-390/FDK/78-79.--Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Faridkot on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Siri Ram s/o Ram Narain s/o Maghi Mal R/O Kotkapura.

(Transferor)

(2) Sh. Sohan Das Bela Tabsi Puran Das, Chela Mehant Punjab Dass Vill. Ghighar Teh. Phul Now Kothapura.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

 [person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 kanals in village Kotkapura as mentioned in the sale deed no, 3308 of Feb. 78' registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bha in

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-391/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jaitu Pati Kamra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Darshan Singh s/o Bakhtavar Singh, Vill. Matta.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sohan Singh, Mohan Singh, Atma Singh, Darshan Singh ss/o Naazar Singh R/O Dal Singh Wala.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 Bigha & Visla in village Pati Kamra Jaitu as mentioned in the scale deed no, 1325 of Feb., 78' registered with the S.R. Faridkot,

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-392/SPL/78-79.-Whereas, 1, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Gill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on Feb., 1978 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Ram Singh s/o Hari Singh, Vill. Gill. Tch. Sultanpur Lodhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhajan Kaur w/o Sohan Singh, Vill. Tiblo, Tch. Sultanpur Lodhi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 kanals & 3 marlas in village Gill as mentioned in the sale deed no. 1205 of Feb., '78 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIN.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhating.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th September 1978

Ref. No. AP-393/BLC/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Saraya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachaur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Lachman Das s/o Joti Ram, Vill. Karimpur, Teh. Balachaur Distt. Hoshiarpur, Mukhitiaraam, Nikoo, Nandu, Kartara, ss/o Banka, Vill. Dasaur, Tch. Ranbir Singh Pura Distt. Jammu.

(Transfero.)

(2) Sh. Chuhar Ram s/o Mast Ram. Vill. Bagoowal, Teh. Balachaur (ii) Mansa Ram s/o Bhupa Ram, Vill. Binewal Teh. Garshshanker.

(Transferce)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 kanals in village Sarya as mentioned in the sale deed No. 1655 of Feb. 78' registered with the S.R. Balachaur.

P. N. MALIK.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 25-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 18th September 1978

Rcf. No. AP-394/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Galoti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Zira on March, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Balker Singh s/o Sh. Teja Siegh, Vill. Galoti, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Shri Jarnoii Singh s/o Sh. Balkar Singh, Vill. Galoti. Teh. Blan .

('Fransferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned] knowns to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals and 8 marlas in village Galoti as mentioned in sale deed No. 5724 of March, 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 18-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 18th September 1978

Ref. No. AP-395/MGA/78-79.—Whereas, 1, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Mandir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Ujagar Singh s/o Sh. Mehna Singh s/o Sh. Amir Singh, Vill. Kangowal, P.O. Mandir, Teh. Zira.

(Transferor

(2) S/Sh. Joginder Singh, Satnam Singh, Bakhshish Singh ss/o Sh. Tara Singh s/o Sh. Banta Singh, R/o Vill. Mandir, Teh. Zira.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals in village Mandir as mentioned in sale deed No. 6123 of March, 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 18-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1827.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated Sodal Road, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Juliundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—306G\\/78

(t) Shri Siri Ram S/o Sh. Chet Ram, N.F. 121, Moh. Thapran, Juliundur.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan S/o Mohan Lal, Village & P.O Alawalpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 6689 of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1828.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Model Town, Juliundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Juliundur on February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdial Singh Gulati S/o Sh. Buta Singh, 590-Suraj Ganj, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Sethi S/o Sh. Daulat Ram 265-R. Model Town, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No. 265-R, Model Town, Jullundur as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 6929 of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1829.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Scheduled annexed heerto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh S/o Sh. Inder Singh of Bnupal Ka Nangal, Sh. Ujjagar Singh S/o Mehar Singh R/O Honuman.

(Transferor

(2) Sh. Satya Pal Verma, Development Officer, LIC C/o Plot No. 71 Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71-Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 6940 of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Dated: 28-9-1978.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1830.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Land at Patar Kalan, Jullandur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mohan Singh S/O Banta Singh V. & P.O. Pattar Kalan Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Kewal Singh & Resham Singh S₈/O Swarna S/O Daulat Ram R/O Pattar Kalan Teh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pattar Kalan as mentloned in the Registeration Sale Deed No. 6985 of February, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1831.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ijability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lubhaya S/o Parma Nand, Qila Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh S/O Sohan Singh ED-218, Mohalla Dhan, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 426 (1/2 Share) in Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 7016 of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1832.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Model Town, Jullandur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullandur on Feb., 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kaushlya Devi W/O Sh. Pritam Singh, 166-R, Model Town, Juilundur.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh S/O Lakhbir Singh, 172-R, Model Town, Juliundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be knowns to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7112 of February, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1833.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Plot at Garha, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Devinder Kaur D/O Mehnga Singh S/O Narain Singh R/O Garha Wahenda, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur W/O Jasbir Singh, Sh. Jasbir Singh S/O Amar Singh, Vill. Subhana Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knowns to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, 36, 37 at Garha as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7118, of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1834.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Model Town, Juliundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Curbachan Kaur W/O Kehar Singh, 441-Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. P. S. Pritam, Surject Singh Se/O S. Mehar Singh, 441-R, Model Town, Jullandur.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knowns to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 441-R, Model Town, Juliundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7148 of February, 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Dated: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JULI.UNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Rcf. No. AP-1835.—Whereas, I, B, S. DEHLYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Scheduled situated at Mota Singh Nagar, Juliundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Lubhaya S/o Parma Nand, Qila Mohalla, Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Smt. Surjeet Kaur W/o Manjit Singh, ED-218, Dhan Mohalla, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share of Plot in Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 7157 of the February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 28-9-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 28th September 1978

Ref. No. AP-1836.—Whereas, I, B. S. DEHIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Harbans Singh S/o Munsha Singh, Qr. No. EG-14/B, Sant Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh, Kuldip Singh Sa/o Atma Singh, EG-34, Sant Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 733 in Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registeration sale Deed No. 7244 of February, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Dated: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 27th September 1978

Ref. No. III-276/Acq/78-79.—Whereas, I, M. N. TIWARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Holding No. 119, Plot No. 1113, Circle No. 45, Sheet No. 116, Ward No. 14 (20 old) of Patna Municipal Corporation situated at Moh. Shivpur, Mahendru (Patna) town (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kalindi Devi W/o Shrl Girish Prasad Sharma of Village Kaili P.S. Dhanarua (P.O.)

(Transferor)

(2) Shri Binod Kumar S/o Shri Jugeshwar Sharma, resident of Village Kachhuara P.S. Barb, Dist. Patna.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home-stead land measuring 10.5 Kathas together with Pucca building standing thereon, situated Moh. Shivpur Mahendru within Patna town bearing Holding No. 119, Plot No. 1113, Circle No. 45, Ward No. 14 (20 old) of Patna Municipal Corporation morefully described in Deed No. 394 dated 19-1-1978 registered with the District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 27-9-1978